राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 06 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–250 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रक्षा मंत्री ने औली मिलिट्री स्टेशन में 'शस्त्र पूजा' की, सैनिकों के साथ मनाया दशहरा

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को सुबह चमोली (उत्तराखंड) के औली मिलिट्री स्टेशन में 'शस्त्र पूजा' की और इसके बाद सैनिकों के साथ दशहरा मनाया। इस मौके पर उन्होंने सैनिकों से कहा कि जब-जब हमारे पड़ोसियों ने भारत की सुरक्षा को लेकर संकट पैदा किया तो उस समय हमेशा आपकी भूमिका सराहनीय रही है। सेना के जवानों की वजह से ही हमारा भारत सुरक्षित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की सेनाओं में भी भारतीय सेनाओं के प्रति सम्मान का भाव पैदा हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस बार उत्तराखंड में दशहरा का पर्व मना रहे हैं। इसी क्रम में रक्षा मंत्री सुबह साढ़े आठ बजे सेना प्रमुख मनोज पांडे के साथ औली पहुंचे। उन्होंने चमोली के औली सैन्य स्टेशन में विजयदशमी के अवसर पर 'शस्त्र पूजा' की और सैनिकों के साथ दशहरा मनाया। उन्होंने शस्त्रों का पूजन करने के बाद अवलोकन भी किया। उन्होंने सैनिकों को भी संबोधित किया। सिंह ने कहा कि आपके हाथों में देश सुरक्षित है और यही भरोसा हम हर देशवासियों को दिलाते हैं। विजयदशमी ऐसा पर्व है जिसमें 'आयुध पूजन' की भारत में लंबी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी 'शस्त्र पूजा' नहीं होती, जबकि भारत अकेला देश है, जहां शास्त्रों और शस्त्रों यानी दोनों की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि हथियार हमारी और हमारे देश की रक्षा करते हैं। इसलिए साल में एक बार विजयादशमी के अवसर पर उनकी पूजा करने का विधान है। आपसे मिले भरोसे के कारण ही हम भारत को ऊंचाइयों तक ले जाने का सफल प्रयास कर पा रहे हैं। दुनिया की उत्कृष्ट सेनाओं में भारत की गिनती होने से हमारी प्रतिष्ठा बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। आज अगर भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो सारी दुनिया कान खोलकर सुनती है।

देश में मनाया गया विजयदशमी का पर्व, पीएम मोदी, अमित शाह व राहुल गांधी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। देश में विजयदशमी का पर्व मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को दशहरा की बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि सभी देशवासियों को विजय के प्रतीक-पर्व विजयदशमी की बहुत-बहुत बधाई। मेरी कामना है कि यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में साहस, संयम और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आए।

अमित शाह ने दी विजयदशमी की शुभकामनाएं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों को विजयदशमी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा समस्त देशवासियों को 'विजयादशमी' की हार्दिक शुभकामनाएं। बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की जीत का यह महापर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा व प्रेरणा का संचार करे। जय श्री राम!

राहुल गांधी ने दी दशहरे की शुभकामनाएं

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने देशवासियों को दशहरा की बधाई दी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि नफरत की लंका जले, हिंसा का मेघनाद मिटे, अहंकार के रावण का अंत हो, सत्य और न्याय की विजय हो। समस्त देशवासियों को विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। कांग्रेस ने किया ट्वीट

वहीं, कांग्रेस पार्टी ने भी विजयदशमी की बधाई दी। कांग्रेस ने अपने ट्वीटर हैंडल से ट्वीट कर लिखा कि जन-जन के भगवान राम की नजर से दशहरे का मतलब देखें तो अहंकार का नाश, असत्य की हार और प्रेम एवं सत्य की विजय। आप सभी को दशहरे की हार्दिक शुभकामनाएं। हम मिलकर हर बुराई को हमारे प्यारे देश से खत्म करेंगे।

सीएम नीतीश कुमार ने दी दशहरे की बधाई

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी दशहरे की बधाई दी। उन्होंने कहा विजयादशमी के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इसे विजय पर्व के रूप में मनाया जाता है। यह असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह हमारे जीवन में संयम एवं आत्मिक बल का संचरण करने वाला पर्व है। इस पर्व को सद्भाव, भाईचारे एवं शांतिपूर्ण तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

बता दें कि विजयदशमी का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का पावन पर्व है। इस दिन भगवान राम ने रावण का वध करके संसार को उसके अत्याचार से मुक्ति दिलाई थी।

यूपी-बिहार सहित 20 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। मानसून के जाते-जाते देश के कई राज्यों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज यानी 5 सितंबर को यूपी, बिहार सहित 20 राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में आज तेज हवा के साथ भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। वहीं बिहार, झारखंड, ओडिश, बंगाल सहित 18 राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। करीब एक सप्ताह का ब्रेक लेने के बाद अब फिर मानसून वापसी करने जा रहा है। यूपी-उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के अनेक हिस्सों में 5 अक्टूबर से अगले 2-3 दिनों तक झमाझम बारिश होगी। मौसम विभाग ने कई जगहों पर तेज बारिश का आरेंज अलर्ट भी जारी किया है।

इन राज्यों में आज येलो अलर्ट–मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार को यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल,ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, तेलंगाना, पुडुचेरी, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल व पूर्वी भारत के सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम तथा त्रिपुरा में गरज-चमक व तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं यूपी, बिहार सहित कई राज्यों में भारी बारिश होगी। IMD ने इन 20 राज्यों येलो अलर्ट जारी किया है।

उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक 5 अक्टूबर को उत्तराखंड में तेज बरसात के साथ आकाशीय बिजली गिर सकती है। इसे देखते हुए आज कई जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 6 अक्टूबर को भारी बारिश की आशंका देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने 7-8 अक्टूबर को उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल मंडल में भारी से भी बहुत भारी बारिश की संभावना जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है।

अस्पताल में लगी भीषण आग, डॉक्टर और बेटा-बेटी की मौत, मरीजों को बचाया गया

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के शाहगंज के खेरिया मोड़ स्थित आर. मधुराज हॉस्पिटल में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई। आग लगने से हॉस्पिटल में भर्ती मरीज और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर दमकल और शाहगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने किसी तरह एक घंटे बाद चार लोगों को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल संचालक परिवार सहित दूसरी मंजिल पर फंस गए। आग की चपेट में आने से अस्पताल संचालक डॉक्टर राजन सिंह, उनके पुत्र ऋषि और पुत्री शालू की मौत हो गई है। घटना की जानकारी पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल

मरीजों को बाहर निकाल कर दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही हॉस्पिटल का स्टाफ गायब हो गया। आग लगने की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है।

शाहगंज क्षेत्र के जगनेर रोड पर स्थित आर मधुराज हॉस्पिटल है। इसका दो मंजिला भवन है। दूसरी मंजिल पर हॉस्पिटल संचालक डॉक्टर राजन सिंह का परिवार रहता है। बुधवार तड़के अचानक अस्पताल में आग लग गई। देखते ही देखते लपटें निकलने लगीं। आग लगने के बाद पुलिस के पहुंचने से पहले ही हॉस्पिटल का स्टाफ भाग निकला। जानकारी पर लोग जुट गए। इसके बाद पुलिस और दमकल पहुंची।

अस्पताल में भर्ती थे चार मरीज –बेसमेंट और भूतल पर मरीज भर्ती थे, जबकि संचालक का परिवार पहली मंजिल पर रह रहा था। सभी आग में फंस गए। एक घंटे बाद निकाला जा सका। चार की हालत गंभीर थी। इनमें से दो की अस्पताल में मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह सिरोही का कहना है कि आग लगने का कारण नहीं पता चल सका है। किस किस मंजिल पर आग लगी यह भी पता किया जा रहा है।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर चार कार और एंबुलेंस की टक्कर में 5 लोगों की मौत, 8 घायल

मुंबई। मुंबई के बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर बुधवार तड़के साढ़े तीन बजे चार कार और एंबुलेंस की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में घायल 8 लोगों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया गया । यह जानकारी वर्ली पुलिस ने दी। पुलिस के अनुसार बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर दो वाहनों की टक्कर पर एंबुलेंस बुलाई गई। सी लिंक पर तेज गति से आ रही एंबुलेंस और तेज रफ्तार अन्य कारें टकरा गईं। इन वाहनों की चपेट में 13 लोग आ गए। इनमें से 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दो घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। अभी तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

विजयादशमी पर नागपुर में आरएसएस का कार्यक्रम, मोहन भागवत बोले- जनसंख्या नीति पर काम करने की है जरूरत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्थापना दिवस है। साल 1925 में दशहरा के दिन ही महाराष्ट्र के नागपुर में आरएसएस की स्थापना हुई थी। नागपुर के रेशम बाग में संघ का वार्षिक विजयादशमी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत अपना संबोधन दे रहे हैं।

जनसंख्या नीति पर काम करने की है जरूरत–मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या को संसाधनों की आवश्यकता होती है। यदि यह बिना संसाधनों का निर्माण किए बढ़ता है, तो यह एक बोझ बन जाता है। एक और दृष्टिकोण है जिसमें जनसंख्या को एक संपत्ति माना जाता है। हमें दोनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सभी के लिए जनसंख्या नीति पर काम करने की जरूरत है।

अच्छे इंसान बनें जो देशभक्ति से हो प्रेरित–संघ प्रमुख ने कहा कि यह एक मिथक है कि करियर के लिए अंग्रेजी बहुत महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति से छात्र उच्च संस्कारी, अच्छे इंसान बनें जो देशभक्ति से भी प्रेरित हों। यही सबकी इच्छा है। समाज को इसका सक्रिय रूप से समर्थन करने की जरूरत है।

शक्ति ही शांति का आधार–भागवत ने कहा कि शक्ति ही शांति का आधार है। उन्होंने कहा कि आज आत्मनिर्भर भारत की आहट हो रही है। विश्व में भारत की बात सुनी जा रही है। आत्मा से ही आत्मनिर्भरता आती है। विश्व में हमारी प्रतिष्ठा और साख बढ़ी है। जिस तरह से हमने श्रीलंका की मदद की। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हमारे रुख से पता चलता है कि हमें सुना जा रहा है।

महिलाओं के बिना विकास नहीं हो सकता–भागवत ने आगे कहा कि महिलाओं के बिना विकास संभव नहीं है। जो काम मातृ शक्ति कर सकती है वह काम पुरुष भी नहीं कर सकते। इसलिए उनको इस प्रकार प्रबुद्ध, सशक्त बनाना, उनका सशक्तिकरण करना और उनको काम करने की स्वतंत्रता देना और कार्यों में बराबरी की सहभागिता देना जरूरी है।

चीफ गेस्ट के रूप में शामिल हुई संतोष यादव–पर्वतारोही संतोष यादव कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के रूप में शामिल हुईं। संतोष यादव माउंट एवरेस्ट पर दो बार चढ़ने वाली पहली महिला पर्वतारोही हैं। ये पहला मौका है जब संघ के कार्यक्रम में किसी पहली के बतौर चीफ गेस्ट आमंत्रित किया गया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित रहें।

पर्वतारोही संतोष यादव ने संघ कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि अक्सर मेरे व्यवहार और आचरण से लोग मुझसे पूछते थे कि क्या मैं संघी हूं? तब मैं पूछती की वह क्या होता है? मैं उस वक्त संघ के बारे में नहीं जानती थी।

शोपियां में दो मुठभेड़ों में 4 आतंकी ढेर, एसपीओ जावेद-बंगाल श्रमिक की हत्या में थे शामिल

श्रीनगर। कश्मीर में गृहमंत्री अमित शाह की रैली में खलल डालने की आतंकवादियों की साजिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम बना दिया है। शोपियां के द्राच कीगम इलाके में छिपे जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है।

द्राच शोपियां में गत मंगलवार शाम को शुरू हुई ये मुठभेड़ अभी समाप्त ही हुई थी कि शोपियां के मोलू इलाकों में भी सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। यहां भी दो से तीन आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना है।पुलिस का कहना है कि मुठभेड़ के प्रारंभ में ही एक आतंकी मारा गया है। फिलहाल यहां अभियान जारी है। मारे गए आतंकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।

जैश के मारे गए तीन आतंकवादियों में से दो की पहचान हुई –एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने तीन आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि ये तीनों जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन से संबंधित थे। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में आतंकवादी हनान बिन याकूब और जमशेद भी शामिल है। ये दोनों ने हाल ही में पुलवामा के पिंगलाना में एसपीओ जावेद डार और पुलवामा में पश्चिम बंगाल के एक मजदूर की हत्या में शामिल थे।

आत्मसमर्पण करने का मौका भी दिया गया– पुलिस ने बताया कि शोपियां के द्राच कीगम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ मंगलवार शाम को शुरू हुई। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के देखे जाने की सूचना के बाद यहां सर्च आपरेशन शुरू किया, जो बाद में मुठभेड़ में बदल गया। रात अंधेरे का लाभ उठाकर आतंकी फरार न हो जाएं, इसीलिए सुरक्षाबलों ने सबसे पहले पूरे इलाके की घेराबंदी की और विशेष लाइटों का प्रबंध भी किया। बताया जा रहा है कि रात भर रूक-रूककर गोलीबारी का सिलसिला जारी रहा। सुबह तड़के आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का मौका दिया गया परंतु जब वे नहीं माने तो एक के बाद एक तीनों आतंकवादियों को मार गिराया गया।

मोलू शोपियां में अब तक एक आतंकी ढेर- शोपियां द्राच कीगम इलाके में मुठभेड़ समाप्त हुई ही थी कि आज तड़के शोपियां के ही मोलू इलाके में आतंकवादियों के देखे जाने की सूचना मिली। सुरक्षाबलों का दल तुरंत इलाके में पहुंच गया और घेराबंदी करते हुए आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी। यहां छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को अपने नजदीक आते देख उन पर फायरिंग की। जवानों ने भी तुरंत पोजीशन संभालते हुए जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ की शुरूआत में ही एक आतंकी को मार गिराया गया। पुलिस ने आतंकी के मारे जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई है परंतु वह स्थानीय बताया जा रहा है। फिलहाल अभियान जारी है।

आपको जानकारी हो कि राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार को जम्मू पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह इस समय कश्मीर में हैं। वे आज बारामुला में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। गृहमंत्री की रैली में खलल डालने के इरादे से ही आतंकी संगठन घाटी में कहीं भी हमला करने की योजना बना रहे हैं। सुरक्षाबलों ने यहां सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए हुए हैं। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

साथ ही चिंता जतायी कि चार करोड़ बेरोजगार हमारी नीतियों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। संघ नेता ने विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था न होने के कारण ग्रामीण परिवेश से तेज होते पलायन व शहर की चरमराती व्यवस्था पर इससे दबाव बढ़ने की ओर भी इशारा किया। देखने वाली बात यह है कि संघ के वरिष्ठ नेता के बयान को सरकार कितनी गंभीरता से लेती है।

सरकार को आईना

कुछ समय पहले सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के उस बयान पर सरकार असहज नजर आयी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत एक संपन्न देश है, लेकिन यहां के लोग गरीब हैं। यह बात कोई नयी नहीं है, दशकों से दोहरायी जाती रही है, मगर जब यह बात सरकार का मंत्री कहे तो सरकार की किरकिरी होती है। लेकिन अब इसी बात को भाजपा की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने दोहराया तो कई सवाल पैदा हुए। देश में व्याप्त आर्थिक विषमता की ओर इंगित करते हुए दत्तात्रेय ने चिंता जताते हुए कहा, 'देश में बीस करोड़ लोग गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। यही नहीं, करीब तेईस करोड़ लोग रोज तीन सौ पिचहत्तर रुपये ही कमा पाते हैं।' अशिक्षा व सामाजिक असंतोष के चलते गरीबी विकराल रूप धारण कर रही है। साथ ही चिंता जतायी कि चार करोड़ बेरोजगार हमारी नीतियों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। संघ नेता ने विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था न होने के कारण ग्रामीण परिवेश से तेज होते पलायन व शहर की चरमराती व्यवस्था पर इससे दबाव बढ़ने की ओर भी इशारा किया। देखने वाली बात यह है कि संघ के वरिष्ठ नेता के बयान को सरकार कितनी गंभीरता से लेती है। इसके चलते अपनी नीतियों में किस हद तक बदलाव लाती है। निस्संदेह, सौ साल बाद आई वैश्विक महामारी और अब रूस-यूक्रेन युद्ध ने देश की आर्थिक प्रगति को पलीता लगाया है, जिसने देश में महंगाई व बेरोजगारी के संकट को बढ़ावा दिया है। लेकिन यहां सवाल यह है कि सरकार ने किस तरह की नीतियां बनाकर आर्थिक असमानता को दूर करने का प्रयास किया है। डॉलर के लगातार मजबूत होने से कमजोर होते रुपये तथा अस्सी फीसदी पेट्रोलियम पदार्थों के आयात की हमारी मजबूरी ने निस्संदेह हमारी आर्थिक चुनौतियों को बढ़ाया है। जिसके चलते व्यापार घाटे का बढ़ना और विदेशी मुद्रा भंडार का क्षरण तेजी से जारी है। हालांकि, एक सच यह भी है कि देश की अर्थव्यवस्था कोरोना संकट से पहले भी सुस्ती के दौर से गुजर रही थी। नोटबंदी के कदम से छोटे व मझोले उद्योगों को झटका लगा था। हमारा अनौपचारिक उद्योग क्षेत्र श्रम प्रधान तकनीक पर आधारित होने के कारण रोजगार का बड़ा स्रोत रहा है। वहीं देश के औद्योगिक उत्पादन में भी गिरावट आयी जिससे बेरोजगारी की दर में इजाफा ही हुआ। वहीं दूसरी ओर कोरोना संकट के दौरान लगे सख्त लॉकडाउन का एमएसएमई पर घातक प्रभाव हुआ। जहां उत्पादन संकट बढ़ा, वहीं बेरोजगारी की दर में तेजी आई। करोड़ों लोग पलायन करके अपने गांवों की तरफ लौटे। अपने घरों के पास उन्हें रोजगार नहीं मिल पाया। आपूर्ति श्रृंखला में बाधा व पूंजी के संकट के कारण सर्वाधिक रोजगार देने वाले कुटीर उद्योग धंधों पर प्रतिकूल असर पड़ा। इससे समाज में आर्थिक असमानता को गति मिली। केंद्र सरकार की नीति में खामी यह रही कि उसने उन बड़े उद्योगों को तरजीह दी, जहां श्रम शक्ति का कम उपयोग किया जाता है। कहने को जीएसटी बढ़ी लेकिन इस व्यवस्था की जटिलता के चलते छोटे रोजगारों का दायरा सिमटा है। बड़ी कंपनियों को जीएसटी का लाभ मिला, लेकिन छोटे परंपरागत रोजगार के क्षेत्र सिमटने लगे। जब संघ के बड़े नेता और केंद्र सरकार के मंत्री ही वामपंथियों की तर्ज पर आर्थिक विषमता के सवालों के जरिये केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करें तो निश्चित तौर पर सरकार के लिये असहजता की स्थिति है। ये सवाल सरकार को नीतियों में विकेंद्रीकरण के लिये प्रेरित करने वाले हैं। जाहिरा तौर पर एक फीसदी लोगों के पास देश की बीस फीसदी आय और चालीस फीसदी लोगों के पास महज तेरह प्रतिशत आय का होना आर्थिक असमानता की ओर ही इशारा करता है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

बंता अमेरिका गया था। एक दिन वह वहां के एक किराने दुकान में गया। जरूरत की सारी चीजें चुनकर वह काउंटर पर आया।

वहां खड़े कर्मचारी ने बिल बनाकर उसकी तरफ बढ़ा दिया। मगर बंता उनसे फैट मांगने लगा, मेरा फैट कहां है? कर्मचारी उसकी बात समझ नहीं रहे थे। अंत में बंता चीखने-चिल्लाने लगा।

उसकी चिल्लाहट सुनकर दुकान में खड़े सभी लोग वहां जुट गए। दुकान का मैनेजर भी बंता के पास आ गया। मैनेजर को देखते ही बंता ने चीखते हुए कहा, ओए मैनेजर, मैंने यह दही खरीदा है। इसके ऊपर लिखा है फैट फ्री, अब बताओ तुम्हारे लोग मुझे फैट नहीं दे रहे हैं।

☺ ☺ ☺

शराबी : हे भगवान ! क्या आप मेरी शराब छुडवा देंगे ?

भगवान : जरूर वत्स।

शराबी : तो मेरी 14 शराब की बोतलें पुलिस ने जब्त कर ली हैं , उन्हें छुड़वा दीजिए प्लीज. !

☺ ☺ ☺

संता काफी परेशान था। उसने अपने दोस्त से कहा – यार मुझे तेलुगु सीखनी है , वह भी छह महीने में।

दोस्त- क्यों यार ?

संता – हमने तेलुगु बच्चा अडॉप्ट किया है। जब वह छह महीने बाद बोलने लगेगा तो हम उसके साथ बात कैसे करेंगे ?

नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व और भारत का आत्मविश्वास

लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा

प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत का सर्वांगीण विकास किया है। भारतीय धर्म साधना व संस्कृति को भी लगातार मजबूती दी है। यूरोपीय कालगणना में ÷ईसा के पूर्व व ईसा के बाद÷ समय का विभाजन है। समय विभाजन की इस धारणा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम जुड़ गया है। भारत के संदर्भ में धर्म संस्कृति और लोकमंगल मोदी के पूर्व व मोदी के समय विचारणीय हैं। मोदी के पहले भारत का मन उदास था, अब मोदी के समय भारत का मन उल्लास में है। मोदी के पहले भारत का मन आत्मविश्वासहीन था, अब मोदी के समय भारत आत्मनिर्भर हो रहा है।

– हृदय नारायण दीक्षित

भारत के धरती और आकाश केसरिया हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। अब भारत की ओर दुनिया की कोई भी महाशक्ति आंख नहीं उठा सकती। एक नई तरह का सांस्कृतिक पुनर्जागरण चल रहा है। हम भारत के लोग अपनी विशेष संस्कृति के कारण दुनिया के अद्वितीय राष्ट्र हैं। विदेशी सत्ता के दौरान यहां धर्म, संस्कृति और सांस्कृतिक प्रतीकों के अपमान का वातावरण था। भारतीय ज्ञान परंपरा को अंधविश्वास कहा जा रहा था। पश्चिम से आयातित सेकुलर विचार ने भारतीय परंपरा को अपमानित करने का पाप किया था। हिन्दू होना अपमानजनक था। मोदी ने भारत के स्वाभाविक विचार प्रवाह को नेतृत्व दिया। धार्मिक सांस्कृतिक प्रतीक गर्व के विषय बने। मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उदघाटन कार्यक्रम में श्रेष्ठ भारत का बिगुल फूंका। सांस्कृतिक कार्यक्रम से चिढ़े कथित प्रगतिशील सेकुलर तत्व मोदी पर हमलावर थे। कथित सेकुलर खेमे ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सेकुलर विरोधी बताया था। कहा था कि, मोदी ने मंदिर के धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर संविधान में उल्लिखित सेकुलर भावना का अपमान किया है। मोदी अपनी धुन के पक्के हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत का सर्वांगीण विकास किया है। भारतीय धर्म साधना व संस्कृति को भी लगातार मजबूती दी है। यूरोपीय कालगणना में ÷ईसा के पूर्व व ईसा के बाद÷ समय का विभाजन है। समय विभाजन की इस धारणा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम जुड़ गया है। भारत के संदर्भ में धर्म संस्कृति और लोकमंगल मोदी के पूर्व व मोदी के समय विचारणीय हैं। मोदी के पहले भारत का मन उदास था, अब मोदी के समय भारत का मन उल्लास में है। मोदी के पहले भारत का मन आत्मविश्वासहीन था, अब मोदी के समय भारत आत्मनिर्भर हो रहा है। राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में उमंग, उत्साह का वातावरण है। भारत आत्मविश्वास से भरा पूरा है। धर्म संस्कृति को लेकर मोदी के पहले हीन भाव था। विदेश आयातित सेकुलर पंथ का प्रभाव था। राजनैतिक वातावरण अल्पसंख्यकवादी था। अब मोदी के समय राष्ट्र सर्वोपरिता का वातावरण है। सबका साथ सबका विकास प्रत्यक्ष है। मोदी विरल हैं, स्वभाव से संवेदनशील तरल हैं। उनके 'मन की बात' पर राष्ट्र का भरोसा है। संसद संवैधानिक जनप्रतिनिधि सदन है। प्रधानमंत्री के रूप में वे पहली दफा संसद पहुंचे। उन्होंने संसद को साष्टांग प्रणाम किया। मोदी के पहले ऐसा दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। जम्मू-कश्मीर की विशेष संवैधानिक स्थिति (अनु.370) समूचे राष्ट्र के लिए चिंता का विषय थी। इसकी समाप्ति राष्ट्रवादियों की गहन अभिलाषा थी। मोदी के नेतृत्व में इस व्यवस्था का निरसन हुआ। इतिहास देवता ने मोदी के कर्म संकल्प को सम्मानजनक ढंग से अपने अंतः स्थल में संरक्षित किया है। मोदी अंतरराष्ट्रीय नेता हैं। योग सम्पूर्ण विज्ञान है। मोदी विरोधी योग विज्ञान पर भी आक्रामक रहे हैं। पतञ्जलि (लगभग 185 - 184 ई0पू0) ने योग सूत्र लिखे थे। योग विश्व को भारतीय ध्यान साधना का अद्वितीय उपहार है। मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में योग की मान्यता का प्रस्ताव किया। मोदी के प्रस्ताव को 170 से ज्यादा देशों का समर्थन मिला। इनमें 47 मुस्लिम देश हैं। 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने सेकुलरपंथियों की परवाह न करते हुए अयोध्या के श्रीरामजन्म भूमि के शिलान्यास में हिस्सा लिया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर राष्ट्र का स्वप्न था। स्वप्न सच हो रहा है। वाराणसी में वे गंगा आरती में सम्मिलित हुए। उन्होंने केदारनाथ मंदिर में 15 घंटे साधना की। वे दुनिया के सभी देशों में अपनी यात्रा के दौरान भारत के सांस्कृतिक प्रतीकों की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं। वे इस विशाल और प्राचीन देश की मूल चेतना को प्रतिनिधित्व देते हैं। वे बांग्लादेश की यात्रा पर गए। ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे। देवी की उपासना की। इसी तरह नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर गए। पूजा और उपासना की। धर्म संस्कृति के प्रति सेकुलरों द्वारा बढ़ाया गया हीन भाव समाप्त हो रहा है। लोक में प्राचीन संस्कृति के प्रति आदर व आत्मविश्वास बढ़ा है। मंदिर भारतीय साधना के शिखर कलश हैं। मंदिर भारत के लोगों को आश्वस्ति देते हैं। सेकुलरपंथी मंदिर के नाम पर चिढ़ते हैं। लेकिन मोदी अपनी सांस्कृतिक प्रतिबद्धता से समझौता नहीं करते। उन्होंने करतारपुर साहिब में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा बहाल कराई। कैलाश मानसरोवर के तीर्थ यात्री अव्यवस्था से परेशान थे। चीन में होने के कारण इसकी व्यवस्था कठिन थी। डॉ. राममनोहर लोहिया की बात याद आती है। लोहिया जी ने कहा था-' दुनिया में ऐसी कोई कौम नहीं जो अपने सबसे बड़े देवता शिव को परदेस में बसा दे। लेकिन यह बहुत दिन नहीं चलेगा। भारत की गद्दी पर शक्तिहीन और कमजोर ही नहीं बैठे रहेंगे।' एक दिन ऐसा आएगा जब सब बदल जाएगा। वाकई अब यह समय आ गया है। मोदी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को आसान बनाया है। मोदी जहां-जहां जाते हैं, वहां-वहां भारत की संस्कृति का ध्वज ऊंचा करते हैं। गीता भारतीय दर्शन का प्रतिनिधि ग्रंथ है। मोदी ने अनेक राष्ट्राध्यक्षों को गीता भेंट की है। मोदी पर सारी दुनिया का भरोसा बढ़ा है। हाल ही में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति से कहा यह समय युद्ध का नहीं है। युद्ध से कोई लाभ नहीं होता। प्रधानमंत्री ने अपने अभियानों से सिद्ध कर दिया है कि धर्म और संस्कृति की पक्षधरता और प्रतिबद्धता किसी भी रूप में साम्प्रदायिकता नहीं है। मंदिर जाना रूढ़िवादिता नहीं है। गंगा जैसी पवित्र नदियों को प्रणाम करना पिछड़ापन नहीं है। श्रीराम, श्रीकृष्ण और शिव की प्रत्यक्ष उपासना रूढ़िवादिता नहीं है। देशकाल वातावरण बदल चुका है। मोदी ने भारत की जीवनशैली और प्रतीकों को प्रतिष्ठित किया है। इसका सर्वव्यापी प्रभाव हुआ है। अब हिन्दू और हिन्दुत्व की उपेक्षा संभव नहीं है। सेकुलर राजनीति में सक्रिय वरिष्ठ महानुभाव भी हिन्दू प्रतीकों से जुड़ रहे हैं। हिन्दुत्व से अलग रहकर राजनीतिक क्षेत्र में भी कोई संभावना नहीं है। राहुल गांधी भी हिन्दू होने का प्रचार कर चुके हैं। इस राजनीति द्वारा जनेऊ भी दिखाए जा रहे हैं। मोदी के परिश्रम का परिणाम है कि हिन्दू मान्यताएं सर्वमान्य हो रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि भारतीय विचार के विरोधी सेकुलर पंथ की विदाई तय हो चुकी है। कला के क्षेत्र में भी मोदी के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का जादू है। पहले सिनेमा के कथानक में मंदिरों और महंतों को अपमानजनक ढंग से प्रस्तुत किया जाता था। अब भारत के नए वातावरण में हिन्दुओं का मजाक बनाने वाले कथानक पसंद नहीं किए जाते। पूरे भारत का वातावरण बदल गया है। संस्कृति तत्व सत्य सिद्ध हो चुके हैं। एक नई तरह का नवजागरण गठित हो रहा है। इस राष्ट्र जागरण में भारत की रीति की प्रतिष्ठा है। भारत की प्रीति का अभिनंदन है। भारत की नीति की प्रतिष्ठा है। यह सब काम आसान नहीं था। पहले हिन्दू होना पीड़ादायी था। अब हिन्दू होना सौभाग्यशाली होना है। यह नामुमकिन था लेकिन मोदी के कारण मुमकिन हो चुका है। मोदी ने वाकई में चमत्कार किया है। समूचा विश्व भारत की लगातार बढ़ रही प्रतिष्ठा को ध्यान से देख रहा है। मोदी के पांच प्रण - '2047 तक विकसित भारत', 'गुलामी के अहसास से आजादी', 'विरासत पर गर्व', 'एकता व एकजुटता पर जोर' व 'नागरिकों का कर्तव्य' - भारत के प्रण संकल्प हैं। राष्ट्र इनसे प्रतिबद्ध है। (लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

असाधारण करती है आस्था की शक्ति

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आजकल पूरे देश में एक शब्द बार-बार सुनने को मिलता है और समाज इस शब्द की शक्ति को स्वीकार भी करता है। वह शब्द है 'आस्था', जिसका तात्पर्य यह है कि हमारी आस्था जहां होती है, वहां से हमें अदृश्य शक्ति हर स्थिति में मिलती ही है। 'मानस' के रचयिता महाकवि तुलसीदास ने तो लिखा ही है :-

'एक भरोसो, एक बल, एक आस विस्वास।

एक राम घनश्याम हित, चातक तुलसीदास।'

वस्तुतः व्यक्ति की 'आस्था' में ऐसी शक्ति होती है, जो भले ही कभी 'बोलती नहीं', लेकिन व्यक्ति अपनी उसी आस्था के बल पर बड़ी से बड़ी मुसीबत से जूझ कर उस पर विजय पा लेता है। इसी क्रम में मुझे आज मेरे एक आत्मीय ने बहुत सुंदर दृष्टांत भेजा है, जो एक ओर तो 'आस्था की शक्ति' को उजागर करता है, दूसरी ओर मां की सेवा का हमारे समाज का आदर्श हमारे सामने मार्मिक रूप में लाता है। आपसे मैं वह दृष्टांत साझा कर रहा हूं :- 'बाज़ार से एक व्यक्ति फल खरीदने गया, तो देखा कि एक फल की रेहड़ी की छत से एक छोटा सा बोर्ड लटक रहा था, जिस पर मोटे अक्षरों से लिखा हुआ था, 'घर में कोई नहीं है, मेरी बूढ़ी मां बीमार है। मुझे थोड़ी-थोड़ी देर में उन्हें खाना खिलाने, दवा देने और टॉयलेट कराने के लिए घर जाना पड़ता है। अगर आपको जल्दी है, तो आप अपनी मर्जी से फल तौल लें, फलों के रेट साथ में लिखे हैं, आप पैसे कोने पर गत्ते के नीचे रख दें। धन्यवाद! हां, अगर आपके पास पैसे न हों, तो फल मेरी तरफ से ले लेना, इसकी इजाज़त है!' खरीदार ने इधर-उधर देखा और पास पड़े तराजू में दो किलो सेब तोले, दर्जन भर केले लिये, बैग में डाले और प्राइस लिस्ट से कीमत देखी, पैसे निकाल कर गत्ते को उठाया, तो वहां सौ-पचास और दस-दस के नोट पड़े थे। उसने भी पैसे उसमें रख कर उसे ढक दिया, अपना बैग उठाया और अपने फ्लैट पर आ गया। रात को खाना खाने के बाद वह फिर उधर से निकला, तो देखा एक कमज़ोर सा आदमी, दाढ़ी आधी काली आधी सफेद, मैले से कुर्ते-पजामे में खाली रेहड़ी को धक्का लगा कर बस जाने ही वाला था। रेहड़ी वाले ने उसे देखा तो मुस्कुराया और बोला 'साहब! फल तो खत्म हो गए हैं।' उस व्यक्ति ने उसका नाम पूछा, तो बोला, 'सीताराम' दोनों सामने वाले ढाबे पर बैठ गये। चाय आयी, तो रेहड़ी वाला कहने लगा, 'पिछले तीन साल से मेरी मां बिस्तर पर है, कुछ मानसिक रूप से असुरक्षित सी भी हो गई है और अब तो फ़ालिज भी मार गया है। मेरी कोई संतान नहीं है, बीवी मर गयी है। अब सिर्फ मैं हूं और मेरी मां! मां की देखभाल करने वाला कोई नहीं है, इसलिए मुझे ही हर वक्त मां का ख्याल रखना पड़ता है...।' फिर रुककर बोला, 'एक दिन मैंने मां के पांव दबाते हुए बड़ी नरमी से कहा, 'मां! तेरी सेवा करने को तो बड़ा जी चाहता है, पर क्या करूं, मेरी जेब खाली है और तू मुझे कमरे से बाहर निकलने नहीं देती। कहती है, तू जाता है तो जी घबराने लगता है। अब तू ही बता मैं क्या करूं? कैसे तेरी सेवा करूं?' ये सुन कर मां ने हांफते-कांपते उठने की कोशिश की। मैंने तकिये की टेक लगवाई, मां ने झुर्रियों वाला चेहरा उठाया और अपने कमज़ोर हाथों को ऊपर उठाकर मन ही मन राम जी की स्तुति की। फिर बोली, 'तू रेहड़ी वहीं छोड़ आया कर, हमारी किस्मत का हमें जो कुछ भी मिलना है, इसी कमरे में बैठे मिलेगा।' मैंने कहा, 'मां क्या बात करती हो, रेहड़ी वहां छोड़ आऊंगा तो कोई चोर-उचक्का सब कुछ ले जायेगा। आजकल कौन लिहाज़ करता है? और बिना मालिक के भला कौन फल खरीदने आयेगा?' साहब, मां कहने लगीं... 'तू राम का नाम ले कर रेहड़ी को फलों से भरकर छोड़ कर मेरे पास आजा, बस। ज्यादा बक-बक न कर, शाम को खाली रेहड़ी ले आना,अगर तेरा रुपया गया, तो मुझे बोलियो!' ढाई साल हो गए हैं भाईसाहब! सुबह रेहड़ी लगा आता हूं, शाम को ले जाता हूं। लोग पैसे रख जाते हैं और फल ले जाते हैं। एक धेला भी ऊपर-नीचे नहीं होता, बल्कि कुछ लोग तो ज्यादा भी रख जाते हैं। कभी कोई मां के लिए फूल रख जाता है, कभी कोई और चीज़! परसों एक बच्ची पुलाव बना कर रख गयी,साथ में एक पर्ची भी थी 'अम्मा के लिए!' एक डॉक्टर अपना कार्ड छोड़ गए, पीछे लिखा था, 'मां की तबियत नाज़ुक हो तो मुझे कॉल कर लेना, मैं आ जाऊंगा।' रोजाना कुछ न कुछ मेरे हक के साथ मौजूद होता है। न मां मुझे हिलने देती है और न मेरे राम कुछ कमी रहने देते हैं। मां कहती है, तेरे फल 'मेरा राम' अपने फरिश्तों से बिकवा देता है।' सच मानिये, इस दृष्टांत को पढ़कर मेरे अंतर्मन से यही निकला कि आस्था सच्ची और दृढ़ हो, तो व्यक्ति को शक्ति स्वयं मिल जाती है। हम मनोविज्ञान के आधार पर ही देखें तो पायेंगे कि आस्था के बल पर बड़े-बड़े काम चुटकियों में हो जाते हैं। तुलसी ने तो कहा है :-

'होहि हैं सोई जो राम रची राखा।
को करी तरक बढावहीं साखा।'

आस्था की शक्ति कभी बोलती नहीं, चमत्कार करती है।

ब्लॉग चर्चा

लंबी उम्र के मंत्र

सतीश सक्सेना/ साठ के बाद अधिकतर लोग खुद को वृद्ध मानना और तदनुसार व्यवहार करना शुरू कर देते हैं जिसका परिणाम उनके शरीर पर तत्काल दिखने लगता है। आसपास के लोग उनसे अधिक गंभीरता और संजीदगी की उम्मीद करते हैं। मेरे रिटायर होने के बाद, पिछले आठ साल में मैंने खुद अपने बेहतरीन मित्रों को असमय मौत के मुंह में जाते देखा है। डायबिटीज, मोटापा और उसके कारण हृदय आघात उसका बड़ा कारण थे। मैंने साठ वर्ष के बाद कोई और कार्य न करके, अपने कायाकल्प का संकल्प लिया था और धीरे-धीरे खुद को रनिंग (हाई इम्पैक्ट एक्सरसाइज) सिखाना शुरू किया जिसमें सफल रहा। फिर शरीर में अत्यधिक बदलाव महसूस किया और वजन तो घटना ही था। सुबह-सुबह एक घंटे की तेज वॉक अथवा रनिंग, इन्सुलिन के प्रति बॉडी सेंसिटिविटी बढ़ाने में बड़ा रोल अदा करती है। मेरे तमाम रनर दोस्त डायबिटीज को वर्षों पहले विदा कर चुके हैं। अगर तेज भागेंगे, नियमित अभ्यास करेंगे तो निश्चित रूप से बीमारियां आपसे दूर भागेंगी। बढ़ते हुए वजन से सबसे बड़ा खतरा हार्ट आर्टरी में खून के थक्के जमने से हृदय पर पड़ने वाला बोझ है जो अधिक उम्र में घातक होता है। बेहतर यही होगा कि अंत तक शरीर को फुर्तीला बनाये रखने का प्रयास किया जाये। शरीर को फुर्तीला बनाए रखने के अनेक फायदे हैं। इससे न केवल ब्लॉकेज कम होगी बल्कि आप शारीरिक, मानसिक बुढ़ापे से भी मुक्ति पाये रहेंगे। पिछली महामारी में हर किसी की शारीरिक एक्टिविटी घटी है घर में लगातार बंद रहने के कारण, बिना मेहनत किये बढ़िया खाने की मात्रा में बढ़ोतरी, बढ़ते वजन का बड़ा कारण रहा। अगर आप मेहनत नहीं कर पा रहे तब खाने पर आपका कोई अधिकार नहीं होना चाहिए, केवल एक समय का भोजन करें। सुबह हल्का नाश्ता एवं डिनर, शाम को 4 बजे, रात आठ बजे ग्रीन टी के साथ 4 फीके बिस्कुट काफी होंगे ठाठ से जीने के लिए और यकीनन वजन कंट्रोल रहेगा। आप सुबह स्वच्छ हवा में गहरी सांस भरकर छोड़ने की आदत डालें। जब भूख लगे तभी पानी जरूर पी लें। पूरे दिन में 10-12 गिलास पानी आपकी पुरानी मस्ती वापस लाने में सहायता करेगा। शुगर और मिल्क प्रोडक्ट्स का त्याग सोने में सुहागा होगा। अंत में, आखिरी बात नये आधुनिक चुस्त खूबसूरत कपड़े पहनें, बिना इसकी परवाह किये कि लोग क्या कहेंगे? अपने बालपन को मत खोने दें, उसे वापस लाएं। नये मित्र और नये शौक बनाने होंगे और आप इस उम्र में जाग्रत बदलाव देखेंगे।

साभार : सतीशउसक्सेना डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम

भारत पीएम गतिशक्ति मिशन से विनिर्माण का बनेगा केंद्र

(एजेंसी)

चीन को आर्थिक मोर्चे पर चारों खाने चित करने और दुनियाभर की कंपनियों को भारत में विनिर्माण का स्वस्थ माहौल व भरोसेमंद ठिकाना देने की रणनीति तैयार है।13 खरब डॉलर की लागत के पीएम मोदी गतिशक्ति मिशन के जरिये भारत दुनियाभर के निवेशकों के लिए पहली पसंद बनने की ओर बढ़ रहा है।इससे डिजाइन, प्रोडक्शन आदि के मौजूदा गढ़ चीन से यह तमगा हथियाने के लिए भारत तैयार है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में लॉजिस्टिक्स के विशेष सचिव अमृत लाल मीणा ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में कहा, सरकार पीएम गतिशक्ति मिशन को बिना देरी और लागत बढ़ाए लागू करने पर काम कर रही है। हमारा उद्देश्य है कि जल्द ही दुनियाभर की कंपनियां भारत को अपने भरोसेमंद ठिकाने के तौर पर देखें। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत पर कंपनियों का कहीं ज्यादा विश्वास है।पारदर्शी नीतियां इसे और बढ़ाने का काम करेंगी।

स्टार एयर ने मुंबई-कोल्हापुर के बीच हवाई उड़ान शुरू की

मुंबई, क्षेत्रीय विमानन कंपनी स्टार एयर ने सोमवार को मुंबई से कोल्हापुर के बीच हवाई सेवाओं का संचालन शुरू कर दिया। कंपनी इस मार्ग पर सप्ताह में तीन दिन उड़ानों का संचालन करेगी। कंपनी के अनुसार, नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नागर विमानन राज्यमंत्री वी के सिंह के साथ नए मार्ग पर उड़ान सेवा का उद्घाटन किया। इस मार्ग पर सेवाएं केंद्र सरकार की क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत शुरू की गई है। बयान में केंद्रीय मंत्री के हवाले से कहा गया कि अबतक 433 नए हवाई मार्ग शुरू किए गए हैं और इस योजना के तहत एक करोड़ से अधिक यात्री लाभान्वित हुए हैं।

मांगों पर सहमति जताने के बाद पाकिस्तान में किसानों ने अपना विरोध-प्रदर्शन वापस लिया

इस्लामाबाद, सरकार के मांगों को पूरा करने आश्वासन के बाद पंजाब प्रांत के किसानों ने मंगलवार को अपना एक सप्ताह का विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। किसान संघ 'किसान इत्तेहाद' की अगुवाई में पाकिस्तान की राजधानी में 28 सितंबर से किसान बिजली और उर्वरक की बढ़ती लागत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बिजली और उर्वरक की बढ़ती लागत के कारण किसानों की आय बुरी तरह प्रभावित हुई है। किसान इत्तेहाद के प्रमुख खालिद बट ने मंगलवार को पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि समूह विरोध-प्रदर्शन को वापस ले रहा है। उन्होंने कहा, ''सरकार ने हमें आश्वासन दिया है कि हमारी सभी मांगें मान ली जाएंगी।'' सनाउल्लाह ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनके मुद्दों को सुलझाने के लिए एक समिति का गठन किया है।अधिकारियों के अनुसार, किसान पूरे पंजाब प्रांत से आए थे और वे 5.3 रुपये प्रति यूनिट के पिछले ट्यूबवेल बिजली शुल्क को बहाल करने और सभी करों और समायोजन को समाप्त करने की मांग कर रहे थे।

थापर पर पांच साल का लगा प्रतिबंध

बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को कोष की हेराफेरी और कंपनी के वित्तीय ब्योरे की गलत जानकारी देने के मामले में सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस के पूर्व चेयरमैन गौतम थापर और तीन अन्य इकाइयों पर पांच साल के लिये पाबंदी समेत जुर्माना लगाया। इसके अलावा, तीन अन्य व्यक्तियों... कंपनी के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) वीआर वेंकटेश और दो पूर्व निदेशकों माधव आचार्य तथा बी हरिहरन पर छह महीने से लेकर तीन साल तक की अवधि के लिये प्रतिबंध लगाया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के 248-पृष्ठ के आदेश के अनुसार, मामले में कुल 11 इकाइयों को दंडित किया है। अन्य इकाइयां के एन नीलकांत, अतुल गुलाटी, आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड और इंडसइंड बैंक हैं। नियामक ने मामले में 11 इकाइयों पर कुल 30.15 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने कहा कि उसने गौतम थापर, अवंता होल्डिंग्स, एक्शन ग्लोबल और सोलारिस इंडस्ट्रियल केमिकल्स को प्रतिभूति बाजारों से पांच साल के लिये प्रतिबंधित कर दिया है। थापर पर 10 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जबकि तीन अन्य इकाइयों पर 5-5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, नीलकांत पर 10 लाख रुपये, गुलाटी पर पांच लाख रुपये और आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड और इंडसइंड बैंक पर एक-एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

स्पिनी ने सभी कर्मचारियों के लिए ईएसओपी पेश किया

मुंबई,

पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर द्वारा समर्थित पुरानी कारों के खुदरा मंच स्पिनी ने अपने कर्मचारियों के लिए शेयर विकल्प स्वामित्व योजना (ईएसओपी) शुरू करने की घोषणा की है। इसमें कंपनी के साथ एक साल पूरा करने वाले कर्मचारी भी शामिल हैं। स्पिनी के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''पिछले दौर में ईएसओपी प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की संख्या के अलावा, 5,000 से अधिक कर्मचारियों में से 3,000 से 3,500 कर्मचारी इस बार प्रस्ताव के लिए पात्र होंगे। कंपनी के साथ एक वर्ष पूरा करने वाले कर्मचारी इसके लिए आवेदन कर सकेंगे।' स्पिनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नीरज सिंह ने कहा, ''हमने एक स्वस्थ कामकाजी माहौल और एक मजबूत मूल्य प्रणाली के पोषण पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारा इनाम 'टीम-वर्क' और साझा स्वामित्व पर केंद्रित है।''

सोनी-जी विलय सौदे को प्रतिस्पर्धा आयोग की सशर्त मंजूरी

नयी दिल्ली।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने मंगलवार को मीडिया कंपनियों सोनी और जी के विलय को कुछ शर्तों के साथ मंजूरी दे दी। विलय के बाद बनने वाली इकाई देश के बड़े मीडिया समूह में से एक होगी। सीसीआई ने ट्विटर पर लिखा है कि उसने कुछ संशोधन के साथ सौदे को मंजूरी दी है। प्रस्तावित विलय की घोषणा पिछले साल सितंबर में की गयी थी। आयोग ने कहा कि उसने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लि. (जी) और बांग्ला एंटरटेनमेंट प्राइवेट लि. (बीईपीएल) के कल्वेर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लि. (सीएमई) के साथ विलय को कुछ संशोधन के साथ मंजूरी दी है। कल्वेर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लि. को पूर्व में सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लि. के नाम से जाना जाता था। फिलहाल मंजूरी का पूरा ब्योरा नहीं मिला है। सूत्रों ने कहा कि नियामक शुरू में इस निष्कर्ष पर पहुंचा था कि इस सौदे का प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उसके बाद दोनों पक्षों को नोटिस जारी किये गये थे। उसके फलस्वरूप दोनों पक्षों ने स्वेच्छा से कुछ प्रस्ताव दिये, जिसे नियामक ने स्वीकार कर लिया। एक निश्चित सीमा से अधिक के विलय के लिये सीसीआई से मंजूरी की जरूरत होती है। जी लि. ने बयान में कहा, ''प्रस्तावित विलय से सभी पक्षों के लिये सृजित होने वाले मूल्य को देखते हुए कंपनी ने नियामक के दिशानिर्देश के अनुसार कुछ कदम की पेशकश की है।'' कंपनी ने यह भी कहा कि इस मामले में विस्तृत ब्योरे की प्रतीक्षा है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने कहा कि विलय के लिये सीसीआई से मिली मंजूरी से उसे खुशी है। कंपनी ने कहा, ''अब हमें विलय के बाद नई कंपनी शुरू करने के लिये अन्य नियामकीय मंजूरी का इंतजार है...।''

रिलायंस कैपिटल रिजॉल्यूशन प्रोसेस की डेडलाइन 90 दिनों से बढ़ाकर 1 फरवरी की जाएगी

मुंबई।

रिलायंस कैपिटल की समाधान प्रक्रिया को पूरा करने की समय सीमा 90 दिन बढ़ाकर 1 फरवरी, 2023 कर दी गई है। मौजूदा समय सीमा 1 नवंबर को समाप्त हो रही है। प्रशासक 90 दिनों के विस्तार के लिए एनसीएलटी मुंबई से संपर्क करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह तीसरा विस्तार होगा, क्योंकि समय-सीमा को पूर्व में दो बार बढ़ाया जा चुका है। दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के नियमों के अनुसार, प्रशासक को मूल रूप से रिलायंस कैपिटल के प्रस्ताव को 180 दिनों के भीतर - 3 जून तक बंद करना था। इससे पहले, रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं ने 31 अक्टूबर तक 75 करोड़ रुपये की ईएमडी के साथ बाध्यकारी बोलियां जमा करने के लिए बोलीदाताओं को 30 दिनों का विस्तार दिया था। बोली लगाने वाले इस 30 दिनों के विस्तार से खुश नहीं थे क्योंकि उनमें से अधिकांश ने 2-4 महीने के विस्तार की मांग की थी रिलायंस कैपिटल को अपने कई व्यवसायों के लिए 14 गैर-बाध्यकारी बोलियां प्राप्त हुई थीं। छह कंपनियों ने पूरी कंपनी के लिए बोलियां जमा की थीं, जबकि बाकी बोलीदाताओं ने इसकी कई सहायक कंपनियों के लिए बोलियां जमा की थीं। टॉरेंट, इंडसइंड, ओकट्री, कॉस्मिया फाइनेंशियल, ऑथम इन्वेस्टमेंट और बी राइट रियल एस्टेट ने रिलायंस कैपिटल की पूरी संपत्ति के लिए 4,000 करोड़ रुपये से 4,500 करोड़ रुपये की बोली जमा की है। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कारोबार के लिए पिरामल फाइनेंस ने 3,600 करोड़ रुपये की बोली लगाई है, जबकि ज्यूरिख इंश्योरेंस की बोली 3,700 करोड़ रुपये है। तीसरी बोली लगाने वाले यानी एडवेंट ने रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के लिए 7,000 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। सूत्रों के मुताबिक, पीरामल और ज्यूरिख अब रिलायंस के सामान्य बीमा कारोबार के लिए संयुक्त बोली लगाने पर विचार कर रहे हैं। बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस का मूल्य 9,450 करोड़ रुपये है। जिंदल स्टील एंड पावर और यूवीएआरसी ने रिलायंस कैपिटल के एआरसी कारोबार के लिए बोलियां जमा कर दी हैं। रिलायंस कैपिटल की अन्य मिश्रित संपत्तियों के लिए, तीन बोलीदाताओं - च्वाइस इक्विटी, ग्लोबल फिनकैप और ग्रैंड भवन - ने बोलियां जमा की हैं।

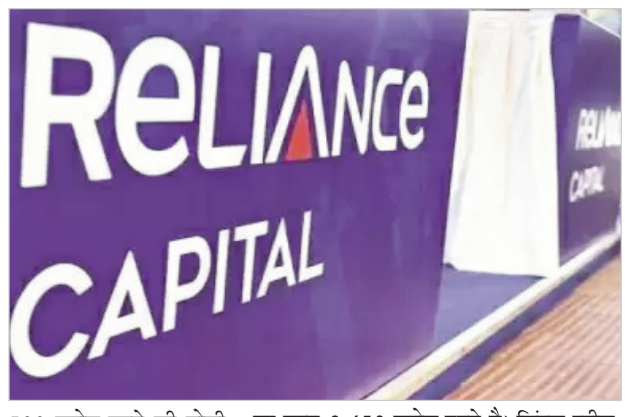

रिलायंस कैपिटल की समाधान प्रक्रिया की शुरूआत में, 54 से अधिक कंपनियों ने अपनी विभिन्न संपत्तियों के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जमा की थी, जिनमें से केवल 14 अब मैदान में हैं।

अफ्रीका में अपना पहला क्लाउड क्षेत्र स्थापित करेगा गूगल

सैन फ्रांसिस्को।

गूगल ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका में एक गूगल क्लाउड क्षेत्र स्थापित करने की घोषणा की। महाद्वीप पर यह पहला क्षेत्र है। अफ्रीका में अपना पहला क्लाउड क्षेत्र स्थापित करेगा गूगलसैन फ्रांसिस्को, 5 अक्टूबर (आईएएनएस)। गूगल ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका में एक गूगल क्लाउड क्षेत्र स्थापित करने की घोषणा की। महाद्वीप पर यह पहला क्षेत्र है। दक्षिण अफ्रीका 35 क्लाउड क्षेत्रों और दुनिया भर में 106 क्षेत्रों के गूगल क्लाउड के वैश्विक नेटवर्क में शामिल होगा। पिछले साल, अल्फाबेट और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने घोषणा की थी कि गूगल अफ्रीका के डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए, बेहतर कनेक्टिविटी से लेकर स्टार्टअप्स में निवेश तक, कई पहलों का समर्थन करने के लिए अगले पांच वर्षों में अफ्रीका में 1 अरब डॉलर का निवेश करेगा। गूगल सब-सहारा अफ्रीका के प्रबंध निदेशक नितिन गजरिया ने कहा, दक्षिण अफ्रीका में भविष्य का क्लाउड क्षेत्र गूगल क्लाउड सेवाओं को हमारे स्थानीय ग्राहकों के करीब लाएगा, जिससे वे अपने स्वयं के ग्राहकों को नवाचार करने और सुरक्षित रूप से तेजी से, अधिक विश्वसनीय अनुभव प्रदान करने में सक्षम होंगे, जिससे उनके विकास में तेजी लाने में मदद मिलेगी। गूगल क्लाउड के लिए अल्फाबीटा इकोनॉमिक्स के शोध के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका क्लाउड क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद में संचयी 2.1 अरब डॉलर से अधिक का योगदान देगा और 2030 तक 40,000 से अधिक नौकरियों के सृजन का समर्थन करेगा। क्लाउड क्षेत्र के साथ, गूगल ने कहा कि वह इक्वियानो सबसी केबल के माध्यम से अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहा है और जोहान्सबर्ग, केप टाउन, लागोस और नैरोबी में समर्पित क्लाउड इंटरकनेक्ट साइटों का निर्माण कर रहा है। गूगल ने कहा, हम अफ्रीकी उद्यमियों को उनके व्यवसाय बढ़ाने और उनकी प्रतिभा विकसित करने में सहायता करना जारी रखते हैं।

हरदीप पुरी अमेरिका जाएंगे व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली,

भारत के पेट्रोलियम और शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी 6 से 11 अक्टूबर के बीच वाशिंगटन डीसी और ह्यूस्टन में एक आधिकारिक और व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वाशिंगटन डीसी में, पुरी अमेरिकी ऊर्जा सचिव जेनिफर ग्रानहोम के साथ 7 अक्टूबर को होने वाली यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक क्लीन एनर्जी पार्टनरशिप **(USISCEP)** के मंत्रिस्तरीय संवाद की सह-अध्यक्षता करेंगे। अप्रैल 2021 में आयोजित जलवायु पर नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा घोषित यूएस इंडिया क्लाइमेट एंड क्लीन एनर्जी एजेंडा 2030 पार्टनरशिप के अनुसार संशोधित **USISCEP** को लॉन्च किया गया था। साझेदारी ऊर्जा सुरक्षा और नवाचार को आगे बढ़ाने, उभरती हुई स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ाने और तकनीकी समाधानों को लागू करने के लिए जारी है।अपनी यात्रा के दौरान पुरी अमेरिका स्थित ऊर्जा कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ भी चर्चा करेंगे।

गूगल ने आईफोन पर आईओएस 16 लॉक स्क्रीन के लिए विजेट पेश किए

नई दिल्ली।

गूगल ने आईओएस 16 लॉक स्क्रीन के लिए अपने विजेट्स को रिलीज करना शुरू कर दिया है, जिसमें जीमेल और गूगल न्यूज जैसे लोकप्रिय ऐप शामिल हैं। गूगल ने आईफोन पर आईओएस 16 लॉक स्क्रीन के लिए विजेट पेश किएनई दिल्ली, 5 अक्टूबर (आईएएनएस)। गूगल ने आईओएस 16 लॉक स्क्रीन के लिए अपने विजेट्स को रिलीज करना शुरू कर दिया है, जिसमें जीमेल और गूगल न्यूज जैसे लोकप्रिय ऐप शामिल हैं। एप्पल के आईओएस 16 के लॉन्च के साथ, गूगल ने नए फीचर्स को रिलीज करने की भी घोषणा की थी जो उपयोगकर्ताओं को सीधे अपने आईफोन्स की लॉक स्क्रीन पर विजेट लगाने की अनुमति देगा। गूगल उपयोगकर्ता अब जीमेल और गूगल समाचार जैसे लोकप्रिय ऐप्स के लिए लॉक स्क्रीन विजेट जोड़ सकते हैं, लेकिन सर्च, मैप्स और कैलेंडर के विजेट अभी तक नहीं आए हैं। नया जीमेल विजेट तीनों आकारों सर्कुलर, रेक्टेंगुलर और इनलाइन में आता है। द वर्ज की रिपोर्ट में बताया गया कि पहले दो को लॉक स्क्रीन पर घड़ी के नीचे रखा जाना है, जबकि इनलाइन विजेट टेक्स्ट की एक पंक्ति के रूप में ऊपर दिखाई देता है। गूगल समाचार विजेट एक आयताकार विजेट के रूप में लॉक स्क्रीन पर संक्षिप्त शीर्षक लाता है। कंपनी ने पिछले महीने आईओएस 16 लॉन्च के साथ यूजर्स को लॉक स्क्रीन को कस्टमाइज करने में मदद करने की घोषणा की थी। कंपनी ने कहा, जब आप अपना फोन उठाते हैं तो आपकी लॉक स्क्रीन सबसे पहले दिखाई देती है और बहुत से गूगल ऐप्स के लिए लॉक स्क्रीन विजेट आने वाले हैं। आप केवल एक टैप में अपनी पसंदीदा गूगल सुविधाओं तक पहुंचने के लिए अपने डिवाइस को अनलॉक करने में सक्षम होंगे और यहां तक कि अपनी लॉक स्क्रीन पर कुछ अपडेट भी देख सकते हैं। मैप्स फ्रीक्वेंट ट्रिप्स विजेट के साथ, उपयोगकर्ताओं को वास्तविक समय में ट्रैफिक अपडेट और अनुमानित यात्रा समय जैसे घर और काम करने के लिए उनकी लॉक स्क्रीन पर मिलेगा। वे मैप्स सर्च विजेट को टैप करके रेस्तरां, दुकानें और आस-पास के अन्य पसंदीदा स्थान भी ढूंढ सकते हैं।

OYO का निजी बाजार में मूल्यांकन गिरकर हुआ 6.5 अरब डॉलर

(एजेंसी)

अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयार कर रही आतिथ्य एवं यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी ओयो का निजी बाजार में मूल्यांकन गिरकर करीब 6.5 अरब डॉलर रह गया है। इस साल 30 सितंबर को समाप्त हुए हफ्ते में निजी बाजार में कंपनी के करीब 12.3 लाख शेयरों की बिक्री हुई जबकि इससे पहले के हफ्ते में 1.6 लाख से अधिक शेयर बिके थे। एक सूत्र ने बताया कि निवेशकों ने ओयो के शेयर तब बेचने शुरू कर दिए जब इसके सबसे बड़े निवेशक सॉफ्टबैंक ने अपने बहीखातों में आतिथ्य मंच का मूल्यांकन 20 फीसदी घटाकर 2.7 अरब डॉलर कर दिया। इससे पिछले महीने ओयो की वित्तीय रिपोर्ट आने के बाद निजी बाजार में कंपनी के शेयर का मूल्य बढ़कर 94 रुपये प्रति शेयर हो गया था। हालांकि सॉफ्टबैंक के ओयो का मूल्यांकन कम आंकने के बाद निवेशकों ने शेयर बेचना शुरू कर दिए जिससे इसका मूल्यांकन करीब 13 फीसदी गिरकर 81 रुपये प्रति शेयर हो गया। ओयो ने पिछले महीने शेयर बाजारों को बताया था कि 30 जून 2022 को खत्म तीन महीने की अवधि में उसे 1,459.32 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 8,430 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पिछले वर्ष अक्टूबर में सेबी के पास मसौदा दस्तावेज दाखिल करवाए थे।

ओपेक+ ने कीमतों में गिरावट को बढ़ावा देने के लिए तेल में भारी कटौती की

फ्रैंकफर्ट (जर्मनी)।

तेल निर्यातक देशों का ओपेक + गठबंधन बुधवार को वैश्विक अर्थव्यवस्था में कच्चे तेल की मात्रा में संभावित बड़े कटौती पर बहस करेगा - एक ऐसा कदम जो रूस को तेल आयात पर यूरोपीय प्रतिबंध लगाने और गैसोलीन बढ़ाने में मदद कर सकता है। राष्ट्रीय मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले अमेरिकी ड्राइवरों के लिए कीमतें।

ओपेक कार्टेल के ऊर्जा मंत्री, जिनके प्रमुख सदस्य सऊदी अरब हैं, और रूस सहित संबद्ध गैर-सदस्य समूह के वियना मुख्यालय में पहली बार COVID-19 महामारी की शुरुआत में 2020 की शुरुआत के बाद से व्यक्तिगत रूप से मिल रहे हैं। रूस के उप प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक, जिन्हें अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित किया गया है, ऑस्ट्रिया की राजधानी में बैठक में भाग ले रहे थे।

कॉमर्जबैंक के विश्लेषकों का कहना है कि अधिकांश रूसी तेल आयातों पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंध से पहले उच्च कीमतों की स्थापना करके उत्पादन में कटौती से रूस को फायदा हो सकता है। विश्लेषकों ने एक नोट में लिखा है, 'रूस को अपने तेल के लिए नए खरीदारों को खोजने की आवश्यकता होगी, जब यूरोपीय संघ का प्रतिबंध दिसंबर की शुरुआत में लागू होगा और संभवतः ऐसा करने के लिए और कीमतों में रियायतें देनी होंगी।' 'पहले से अधिक कीमतें - अन्य जगहों पर उत्पादन में कटौती से बढ़ी - इसलिए निस्संदेह बहुत स्वागत होगा।' मॉस्को को भी अमेरिका और सात धनी लोकतंत्रों के दूसरे समूह द्वारा 5 दिसंबर तक रूसी तेल पर मूल्य कैप लगाने के लिए एक अलग धक्का का सामना करना पड़ रहा है। यूरोपीय संघ के एक अधिकारी ने कहा कि यूरोपीय संघ ने बुधवार को नए प्रतिबंधों पर सहमति व्यक्त की, जिसमें रूसी तेल पर मूल्य कैप शामिल होने की उम्मीद है।

इस गर्मी में तेल की कीमतों में वृद्धि हुई क्योंकि बाजार यूक्रेन में युद्ध पर प्रतिबंधों से रूसी आपूर्ति के नुकसान के बारे में चिंतित थे, लेकिन वे प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मंदी के डर के रूप में फिसल गए और चीन के सीओवीआईडी -19 प्रतिबंधों का वजन कच्चे तेल की मांग पर पड़ा।

तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी ड्राइवरों के लिए एक वरदान रही है, जिन्होंने हाल ही में लागत बढ़ने से पहले पंप पर कम गैसोलीन की कीमतें देखीं, और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के लिए उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी अगले महीने कांग्रेस के चुनावों के लिए तैयार है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक, उपभोक्ता के रूप में उभरा

नई दिल्ली।

भारत चीनी का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता और इसका दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक के रूप में उभरा है। चीनी मौसम (अक्टूबर-सितंबर) 2021-22 में, देश में 5,000 लाख मीट्रिक टन **(LMT)** से अधिक गन्ने का उत्पादन हुआ, जिसमें से लगभग 3,574 **LMT** चीनी मिलों द्वारा कुचल कर लगभग 394 **LMT** चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन किया गया। . इसमें से 35 एलएमटी चीनी को एथेनॉल उत्पादन के लिए और 359 एलएमटी चीनी का उत्पादन चीनी मिलों द्वारा किया गया था। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, यह मौसम भारतीय चीनी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है। गन्ना उत्पादन, चीनी उत्पादन, चीनी निर्यात, गन्ने की खरीद, गन्ना बकाया भुगतान और इथेनॉल उत्पादन के सभी रिकॉर्ड सीजन के दौरान बनाए गए थे। सीजन का एक अन्य आकर्षण लगभग 109.8 एलएमटी का उच्चतम निर्यात है, वह भी बिना किसी वित्तीय सहायता के जिसे 2020-21 तक बढ़ाया जा रहा था। सहायक अंतरराष्ट्रीय कीमतों और भारत सरकार की नीति ने भारतीय चीनी उद्योग की इस उपलब्धि को जन्म दिया। इन निर्यातों ने देश के

लिए लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की। चीनी उद्योग की सफलता की कहानी देश में व्यापार के लिए एक बहुत ही सहायक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र के साथ केंद्र और राज्य सरकारों, किसानों, चीनी मिलों, इथेनॉल डिस्टिलरीज के समकालिक और सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है। पिछले 5 वर्षों से समय पर सरकारी हस्तक्षेप चीनी क्षेत्र को 2018-19 में वित्तीय संकट से बाहर निकालने से लेकर 2021-22 में आत्मनिर्भरता के चरण तक बनाने में महत्वपूर्ण रहा है। अधिकारियों ने कहा कि एसएस 2021-22 के दौरान, चीनी मिलों ने 1.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक के गन्ने की खरीद की और केंद्र से बिना किसी वित्तीय सहायता (सब्सिडी) के 1.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान जारी किया। इस प्रकार, चीनी सीजन के अंत में गन्ना बकाया 6,000 करोड़ रुपये से कम है, जो दर्शाता है कि गन्ना बकाया का 95 प्रतिशत पहले ही चुकाया जा चुका है। यह भी उल्लेखनीय है कि एसएस 2020-21 के लिए 99.9 प्रतिशत से अधिक गन्ना बकाया चुकाया गया है।

टी20 रैंकिंगः सूर्यकुमार यादव के पास नंबर-वन बल्लेबाज बनने का मौका, टूटेगा पाकिस्तान का घमंड

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के पास अब नंबर-वन पर आने का पूरा मौका है। सूर्यकुमार इस साल की शुरूआत से लेकर अभी तक सबसे खतरनाक बल्लेबाज साबित हुए। उनकी बल्लेबाजी को देख साफ है कि वह जल्द ही पाकिस्तान का घमंड तोड़ पहले स्थान पर कब्जा कर लेंगे। दरअसल, पाकिस्तानी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान फिलहाल टी20आई रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, लेकिन जल्द ही वह पिछड़ने वाले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर पहले बाबर आजम कायम थे। यानी कि लंबे समय तक पाक बल्लेबाजों का शीर्ष दो स्थान पर कब्जा था, लेकिन बाबर को अब सूर्यकुमार ने पछाड़ दिया है। अब बारी रिजवान की है जो फिलहाल पहले स्थान पर हैं, लेकिन सूर्यकुमार उनसे ज्यादा दूर नहीं हैं।

घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में लगातार रन बरसाने के बाद सूर्यकुमार ने रिजवान से अंतर को घटाकर 16 रेटिंग अंक कर दिया। सूर्यकुमार यादव 838 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जो मोहम्मद रिजवान से 16 अंक पीछे हैं। मोहम्मद रिजवान अपनी बढ़त बढ़ा सकते थे अगर उन्हें घर में इंग्लैंड के खिलाफ छठे टी20आई के लिए आराम नहीं दिया गया होता।

वहीं पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 801 रेटिंग अंकों के साथ अपना तीसरा स्थान मजबूत किया। साउथ अफ्रीका के एडेन मार्कराम और इंग्लैंड के डेविड मालन शीर्ष 5 में हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल प्रोटियाज के खिलाफ दो मैचों में 108 रनों के दम पर सूची में तीन पायदान की छलांग से 14वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि साउथ अफ्रीका की तिकड़ी क्विंटन डी कॉक (आठ स्थान ऊपर 12वें स्थान पर), रिले रोसौव (23 स्थान ऊपर 20वें स्थान पर)) और डेविड मिलर (10 स्थान ऊपर 29वें) भी ऊपर आए हैं।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग-

1. मोहम्मद रिजवान (पाकिस्तान) - 854
2. सूर्यकुमार यादव (भारत) - 838
3. बाबर आजम (पाकिस्तान) - 801
4. एडेन मार्कराम (दक्षिण अफ्रीका) - 777
5. डेविड मालन (इंग्लैंड) - 733

'कोहली सबसे महान भारतीय कप्तान नहीं हैं', पूर्व क्रिकेटर ने दिया बयान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने विदेशी पिचों पर कई बार रोमांचक मुकाबले जीते, लेकिन वह टीम को कोई आईसीसी खिताब नहीं दिला पाए। इस कारण उन्हें आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा, पर बतौर कप्तान जिस तरीके से कोहली ने टीम को खींचा वो काबिलेतारीफ है। लेकिन विंडीज की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज विंस्टन बेंजामिन ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि कोहली सबसे महान भारतीय कप्तान नहीं हैं।

बेंजामिन ने 21 टेस्ट और 85 वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने कहा है कि भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पीढ़ी के महानतम बल्लेबाजों में से एक हैं, लेकिन वह सबसे महान भारतीय कप्तान नहीं हैं। कोहली निस्संदेह अब तक के सबसे सफल भारतीय कप्तानों में से एक हैं। कोहली के नेतृत्व में, टीम इंडिया किसी भी बड़ी आईसीसी ट्रॉफी पर कब्जा करने में विफल रही, लेकिन वे विश्व क्रिकेट में एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए। खासकर खेल के सबसे लंबे प्रारूप में। कोहली ने 68 टेस्ट में भारत का नेतृत्व किया और 40 मैच जीते। इसके अलावा, उन्होंने 95 वनडे मैचों में भारत की कप्तानी की और 65 गेम जीते जबकि टी20आई में उन्होंने 50 मैचों में मेन इन ब्लू को 30 जीत दिलाई।

एक टीवी चैनल से बात करते हुए विंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज विंस्टन बेंजामिन ने कोहली के बारे में कहा कि यह कहना गलत होगा कि वह सबसे महान भारतीय कप्तान हैं। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के पास ऐसे कप्तान हैं जो कोहली से बेहतर थे। उन्होंने कहा, ÷मुझे नहीं लगता कि यह कहना उचित होगा कि वह सबसे महान भारतीय कप्तान हैं। मैं चाहता हूं कि कोहली अपनी बल्लेबाजी और सिर्फ खेलने पर ज्यादा ध्यान दें। मुझे लगता है कि वह एक शानदार क्रिकेटर हैं। वह अब तक के सबसे महान भारतीय बल्लेबाजों में से एक होने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि भारतीय क्रिकेटरों में पिछले कुछ सालों में काफी सुधार हुआ है और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी गेंद से नेतृत्व कर रहे हैं।' बेंजामिन ने आगे कहा, 'भारतीय सेटअप के भीतर कई युवा प्रतिभाएं हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं कह सकता हूं कि वह सबसे महान कप्तान हैं। आप जानते हैं कि उनसे पहले कुछ कप्तान थे जो सामरिक रूप से थोड़े बेहतर थे। मैं आपको बता सकता हूं कि वह सबसे महान बल्लेबाजों में से एक है।' आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2022 में विंडीज की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए, बेंजामिन ने कहा कि असंगत मेन इन मरून सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं करेगा।

उन्होंने कहा, 'यह टी20 है और जब दिन बनता है तो कोई भी जीत सकता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि विंडीज अच्छा प्रदर्शन करेगा। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे शीर्ष चार में शामिल होंगे।

हरमनप्रीत, मंधाना और अक्षर आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित

दुबई (एजेंसी)।

भारत की स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और अक्षर पटेल को सितंबर महीने के लिये आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया है। कप्तान हरमनप्रीत और उपकप्तान मंधाना का नामांकन पहली बार हुआ है। दोनों में से कोई एक जीतती है तो आईसीसी महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर बनने वाली पहली भारतीय हो जाएगी। दोनों ने इंग्लैंड में वनडे और टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर अक्षर को आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के कारण पुरूष वर्ग में नामांकन मिला है । हरमनप्रीत ने इंग्लैंड में टी20 श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के बाद वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करके तीन मैचों में 221 रन बनाए। उन्होंने आखिरी मैच में नाबाद 74 रन की पारी खेली जबकि दूसरे मैच में नाबाद 143 रन बनाकर 1999 के बाद इंग्लैंड में टीम को पहली बार वनडे श्रृंखला में जीत दिलाई।

मंधाना ने दोनों श्रृंखलाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले टी20 में नाबाद 79 और पहले वनडे में 91 रन बनाए। बांग्लादेश की निगार सुल्ताना को भी नामांकन मिला है। अक्षर ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ छह से भी कम की इकॉनामी रेट से नौ विकेट लिए। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन और पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को भी नामांकन मिला है।

टी 20: फॉर्म में लौटे आरोन फिंच, ऑस्ट्रेलिया की वेस्टइंडीज पर रोमांचक जीत

कैनबरा (एजेंसी)।

कप्तान आरोन फिंच ने मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में फॉर्म में वापसी की, जबकि मैथ्यू वेड ने 'फिनिशर% की अपनी भूमिका बखूबी निभाई, जिससे आस्ट्रेलिया ने खराब शुरुआत से उबरकर पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां वेस्टइंडीज पर तीन विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की ऑस्ट्रेलिया ने 146 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांच विकेट 58 रन पर गंवा दिए थे।

इसके बाद फिंच (53 गेंद पर 58 रन, छह चौके) और विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड (29 गेंद पर नाबाद 39 रन, पांच चौके) ने बखूबी जिम्मा संभाला और छठे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी की। इससे आस्ट्रेलिया ने 19.5 ओवर में सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया और दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर नौ विकेट पर 145 रन बनाए थे। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स ने सर्वाधिक 39 रन बनाए जबकि आठवें नंबर के बल्लेबाज ओडियन स्मिथ ने 27 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड ने तीन जबकि पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क ने दो-दो विकेट लिए।

भारत दौरे में शानदार प्रदर्शन करने वाले कैमरन ग्रीन को ऑस्ट्रेलिया ने सलामी बल्लेबाज के रूप में बरकरार रखा। उन्होंने डेविड वॉर्नर के साथ पारी का आगाज किया। शेल्डन कोटरेल (49 रन देकर दो विकेट) पारी के दूसरे ओवर में ही वॉर्नर (14) और मिशेल मार्श (तीन) को पवेलियन की राह दिखा दी। ग्रीन (14) आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज थे। उन्हें अलजारी जोसेफ (17 रन देकर दो विकेट) ने बोल्ड किया। ग्लेन मैक्सवेल और टिम डेविड खाता भी नहीं खोल पाए जिसके बाद फिंच और वेड ने जिम्मेदारी संभाली। जोसेफ ने फिंच को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी लेकिन वेड ने स्टार्क (नाबाद छह) के साथ मिलकर टीम को एक गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य तक पहुंचाया। अब दूसरा व आखिरी मैच 7 अक्तूबर को खेला जाएगा।

मेरा लक्ष्य 2023 विश्व कप है, मैं खुद को फिट रखना चाहता हूं : धवन

लखनऊ। पिछले दो साल में एक दिवसीय क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिखर धवन फिट रहकर 2023 में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप खेलना चाहते हैं । धवन ने 34 टेस्ट में 2315, 158 वनडे में 6647 और 68 टी20 मैचों में 1759 रन बनाए हैं । वह श्रीलंका , वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दौरे पर भारत की वनडे टीम के कप्तान रहे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू हो रही सीरीज में फिर यह जिम्मेदारी संभालेंगे । उन्होंने कहा ,'' मैं खुशकिस्मत हूं कि इतना शानदार कैरियर रहा । जब भी मौका मिलता है तो मैं अपना ज्ञान युवाओं के साथ बांटता हूं । अब मेरे लिए नई जिम्मेदारी है लेकिन मैं चुनौतियों में अवसर तलाशता हूं और इसका आनंद लेता हूं ।' उन्होंने कहा ,'' मेरा लक्ष्य 2023 विश्व कप है । मैं खुद को फिट रखना चाहता हूं और सकारात्मक रहना चाहता हूं ।'

भारत के श्रीजेश, सविता एफआईएच साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला गोलकीपर चुने गए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के पीआर श्रीजेश और सविता पूनिया को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के पुरस्कारों में लगातार दूसरी बार बुधवार को साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला गोलकीपर चुना गया। पिछले 16 साल से भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीजेश टीम का अभिन्न अंग बने हुए है। वह पिछले साल टीम के हॉकी प्रो लीग के सभी 16 मैचों में मैदान पर उतरे। भारत इस लीग में तीसरे स्थान पर रहा। श्रीजेश इसके साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। उन्होंने बर्मिंघम में इसके सभी छह मैचों में टीम का मैदान पर प्रतिनिधित्व किया।

एफआईएच से जारी बयान में श्रीजेश की तारीफ करते हुए कहा गया, 'पीआर श्रीजेश के करियर की लंबाई लगातार उम्र को धता बता रही है। भारत का 34 साल का यह खिलाड़ी लगातार अपने खेल के स्तर को ऊपर उठा रहा है।' इस पुरस्कार के लिए हुए चुनाव में श्रीजेश को कुल 39.9 अंक मिले। बेल्जियम के लोइक वैन डोरेन (26.3 अंक) दूसरे और नीदरलैंड के प्राइमिन ब्लाक (23.2 अंक) तीसरे स्थान पर रहे। मतों का यह प्रतिशत विशेषज्ञों (40प्र.), टीम (20प्र.), प्रशंसकों (20प्र.) और मीडिया (20त्न) के मतदान पर आधारित था।

श्रीजेश एफआईएच साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का खिताब लगातार दो बार जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले डेविड हर्ट (आयरलैंड) ने 2015 और 2016 तथा विन्सेंट वनाश (बेल्जियम) ने 2017 से 2019 तक लगातार तीन बार इसे जीता है। सत्र के दौरान श्रीजेश ने 250 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले भारत के पहले गोलकीपर और कुल आठवें खिलाड़ी बने। बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में जारी टीम शिविर में शामिल श्रीजेश ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं, यह एक विशेष पुरस्कार है क्योंकि हॉकी प्रशंसक हमें वोट दे रहे हैं। यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।'

उन्होंने कहा, 'आप करियर के किसी भी चरण में हो, पुरस्कार जीतना हमेशा एक प्रेरक कारक होता है। यह पुरस्कार निश्चित रूप से मुझे आने वाले समय में खेल में और अधिक सुधार करने के लिए प्रेरित करेगा, जहां टीम को एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 को भुवनेश्वर -राउरकेला में खेलना है।' बत्तीस साल की सविता 37.6 प्रतिशत अंकों के साथ मतदान में शीर्ष पर रही। अर्जेंटीना की दिग्गज बेलेन सुसी 26.4 प्रतिशत के साथ दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज जोसेलिन बार्टम (16 प्रतिशत अंक) तीसरे स्थान पर रही।

सविता 2014 में शुरू हुए इन लगातार दो बार साल की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (महिला) का जीतने वाली केवल तीसरी खिलाड़ी हैं। राष्ट्रीय खेलों के लिए गुजरात में मौजूद सविता ने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक बड़ा आश्चर्य और बहुत सुखद है। मुझे यकीन है कि कई भारतीय हॉकी प्रशंसकों ने हमें वोट दिया है और मैं उनमें से प्रत्येक को धन्यवाद देती हूं।' सविता ने टीम के एफआईएच प्रो लीग 2021-22 के अपने पहले अभियान में तीसरे स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय कप्तान ने इस दौरान 14 मैचों में आश्चर्यजनक रूप से 57 बचाव किए।

सविता ने बर्मिंघम में 2022 सीडब्ल्यूजी में टीम के कांस्य पदक जीतने के अभियान में शानदार प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ कांस्य पदक मैच में उनका शानदार खेल से भारत ने पदक के 16 साल के इंतजार को खत्म किया था। एफआईएच से जारी बयान के मुताबिक, 'सविता भारतीय गोलपोस्ट की रक्षा में शानदार थी। उन्होंने असंभव जैसी परिस्थितियों में कई बार गोल का बचाव सफलतापूर्वक किया। ऐसे में इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उसे दुनिया भर के अन्य गोलकीपरों के मुकाबले लगभग दोगुने वोट मिले।' इससे पहले मंगलवार को भारत की फारवर्ड मुमताज खान को एफआईएच की साल की उभरती हुई सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया था।

यूरोपियन क्लब शतरंज - गुकेश और विदित की लगातार दूसरी जीत

माइहोफेन,औस्ट्रिया। 37वीं यूरोपियन क्लब शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दिन भारत के 5 खिलाड़ी खेलते हुए नजर आए जिसमें डी गुकेश और विदित गुजराती नें लगातार दूसरे दिन जीत दर्ज की जबकि अर्जुन एरिगासी , पेंटाला हरीकृष्णा और निहाल सरीन नें अपने मुक़ाबले ड्रॉ खेले । भारत के नंबर 1 खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद दूसरे दिन विश्राम पर रहे । रोमानिया के सुपरबेट क्लब की ओर से खेलते हुए गुकेश नें स्लोवाकिया की एसके स्ट्रेड़ा टीम के ग्रांड मास्टर वरगा जोलटन को पराजित किया । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे गुकेश के सामने जोलटन नें सेंटर काउंटर ओपनिंग खेली पर गुकेश के शानदार आक्रामक खेल के सामने उन्हे 30 चाल में हार स्वीकार करनी पड़ी । गुकेश की मदद से उनकी टीम 5-1 से मुक़ाबला जीतने में सफल रही।

भारत ने फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप के लिए घोषित की टीम

भुवनेश्वर। भारत के अंडर-17 महिला टीम के प्रमुख कोच थॉमस डेनरबी ने 11 अक्टूबर से होने जा रहे फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप 2022 के लिए 21 सदस्य टीम की बुधवार को घोषणा की। भारत को अमरीका, मोरक्को और ब्राजील के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसमें भारत का पहला मुकाबला 11 अक्टूबर को अमेरिका के साथ है जिसके बाद 14 अक्टूबर को मोरक्को और 17 अक्टूबर को ब्राजील के साथ टक्कर होनी है। यह तीनों मुकाबले भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में होंगे। डेनरबी ने कहा, 'यह सभी के लिए एक नई स्थिति है। भारत ने इससे पहले कभी वर्ल्ड कप नहीं खेला है। यह पूरी तरह से अलग खेल है। यह सबको दिखाने का एक अलग मौका है कि हमने पूरी तरह से तैयारी की है और हम किसी को भी अपने ऊपर हावी नहीं होने देंगे। हर कोई वर्ल्ड कप खेलना चाहता है लेकिन मैंने टीम में सर्वश्रेष्ठ 21 खिलाड़ियों को चुना है।' उन्होंने कहा, 'जब आप मैदान पर होते हैं तो सबकुछ पीछे छूट जाता है और आपको केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करना होता है। ये ही इन लड़कियों को करना है।' मैदान पर अच्छे प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बताते हुए डेनरबी ने कहा, 'हमारे लिए प्रदर्शन प्रमुख है। मुझे उम्मीद है कि लड़कियों पर ज्यादा दबाव नहीं है और वे आत्मविश्वास के साथ खेलेंगी। आपको एक ही समय पर दबाव में न रहते हुए प्रदर्शन करना है। ये वक्त है एक बेहतर खेल को खेलने का।' टीम में गोलकीपर के रूप में मोनालिसा देवी मोइरंगथेम (1), मेलोडी चानू कीशाम (13) और अंजलि मुंडा (21) को रखा गया है। डिफेंडर्स के तौर पर अस्तम उरांव (5), काजल (20), नकेता (3), पूर्णिमा कुमारी (2), वार्शिका (19) तथा शिल्की देवी हेमम (4) को रखा गया है। 21 सदस्य टीम में मिडफिल्डर्स के लिए बबीना देवी लिशम (6), नीतू लिंडा (17), शैलजा (15) और शुभांगी सिंह (16) को चुना गया है। फॉरवर्ड के तौर पर अनीता कुमारी (11), लिंडा कॉम सटर (9), नेहा (7), रेजिया देवी लैशराम (18), शेलिया देवी लोकतोंगबम (12), काजोल ह्यूबट डिसूजा (8), लावण्या उपाध्याय (10) और सुधा अंकिता तिकरी (14) शामिल हुए।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: निशानेबाजी की होगी वापसी, गोल्फ डेब्यू के लिए तैयार

मेलबर्न (एजेंसी)।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए खेलों की सूची जारी की गई और शूटिंग में हिस्सा लेने वालों के खुशखबरी है। राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में निशानेबाजी भारत के सबसे सफल खेल आयोजनों में से एक रही है ऐसे में शूटिंग और पैरा-शूटिंग कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वापसी होगी। हालांकि सूची में अब भी कुश्ती या तीरंदाजी शामिल नहीं है।

कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन, एंड्रयूज लेबर गवर्नमेंट और कॉमनवेल्थ गेम्स ऑस्ट्रेलिया ने एक सूची की घोषणा की जिसमें डेब्यू करने वाले भी शामिल हैं, जो 2026 में खेलों का हिस्सा होंगे। विक्टोरिया 2026 17 से 29 मार्च 2026 तक चलेगा। ,'राष्ट्रमंडल खेल महासंघ एक आधिकारिक बयान में कहा कि विक्टोरिया 2026 गोल्फ, कोस्टल रोइंग और रोड (साइक्लिंग) दौड़ में पैरा-स्पोर्ट खेलों को जोड़ने का भी प्रस्ताव कर रहा है और राष्ट्रमंडल खेल महासंघ और प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के साथ काम करेगा ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या यह संभव है।

गोल्फ, 3×3 बास्केटबॉल, 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल, कोस्टल रोइंग, शूटिंग, पैरा-शूटिंग, बीएमएक्स रेसिंग, माउंटेन बाइक क्रॉस कंट्री, ट्रैक साइक्लिंग और पैरा-ट्रैक साइक्लिंग को पहले से ही प्रभावशाली स्पोर्ट्स में जोड़ा गया है जबकि कोस्टल रोइंग, गोल्फ, और बीएमएक्स राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण करेंगे। विक्टोरिया 2026 भी गोल्फ, कोस्टल रोइंग और रोड रेस में पैरा-स्पोर्ट विषयों को जोड़ने का प्रस्ताव कर रहा है और यह निर्धारित करने के लिए कि क्या यह संभव है, राष्ट्रमंडल खेल महासंघ और प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के साथ काम करेगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष बेन ह्यूस्टन ने कहा, राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया खेलों को एक रोमांचक नए युग में ले जाने के लिए विक्टोरिया 2026 के लिए नए खेलों और विषयों को शामिल करने से खुश है। यह अगले चार वर्षों में अपने सपने को साकार करने के लिए एथलीटों की एक पूरी नई लहर को प्रेरित करने करेगा। सीजीए उन एथलीटों का स्वागत करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता जो 2026 में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेल संघ के अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन ने घोषणा की और राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन में नए खेलों को शामिल किया। मार्टिन ने कहा, हम 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेल कार्यक्रम की पुष्टि करने के लिए रोमांचित हैं, विक्टोरिया 2026 द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त खेल एक रोमांचक और विविध लाइन-अप को पूरा करते हैं।

विक्टोरिया 2026 खेल कार्यक्रम

एथलेटिक्स और पैरा-एथलेटिक्स, बैडमिंटन, 3×3 बास्केटबॉल, 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, बीच वॉलीबॉल, कोस्टल रोइंग, क्रिकेट टी 20 (महिला), साइकिलिंग (बीएमएक्स, माउंटेन बाइक, रोड, ट्रैक और पैरा-ट्रैक), डाइविंग, गोल्फ, जिम्नास्टिक (कलात्मक), हॉकी, लॉन बाउल और पैरा-लॉन बाउल, नेटबॉल, पैरा-पावरलिफ्टिंग, रग्बी 7एस, शूटिंग और पैरा-शूटिंग, स्क्वैश, तैराकी और पैरा-तैराकी, टेबल टेनिस और पैरा-टेबल टेनिस, ट्रायथलॉन और पैरा-ट्रायथलॉन और भारोत्तोलन।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुण्य भाग्य बनाती है चारधाम की यात्रा

उत्तराखंड को देवभूमि भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भगवान की स्थली। यह प्रदेश भारतवर्ष के अनेक पवित्र एवं महत्वपूर्ण तीर्थो का स्थल है। भगवान की स्थली मने जाने वाला यह प्रदेश पर्यटको को अपने अदभूत सोंदर्य के लिए आकर्षित करता है। अपने अनगिनत पवित्र स्थलों, मंदिरों, तीर्थो, नदियों एवं झीलों से आकर्षित होकर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ तीर्थाटन के लिए आते है। उत्तराखंड अपने पवित्र धामों के कारण प्रत्येक हिन्दू का वांछित स्थल है। चारधाम, हरिद्वार एवं ऋषिकेश की यात्रा को प्रत्येक हिन्दू के लिए अत्यन्त आवश्यक माना गया है। हिन्दू पुराणों के के अनुसार चारधाम की यात्रा पुण्य का भाग्य बनाती है। भगवान की यह स्थली, हजारो वर्ष पहले बनाये गए मंदिरों एवं धामों से यहाँ कि धार्मिक विरासत की और समृद्ध संकेत करती है। विश्व भर से लोग तीर्थाटन के लिए उत्तराखंड में आते है।

उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जो कि आध्यात्मिक वायु से ओतप्रोत है। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि, मंदिर एवं तीर्थ इस खुबसूरत प्रदेश में काफी कम दुरी पर स्थित है। प्राकृतिक सोंदर्य के हिसाब से भी उत्तराखंड सर्वोत्तम है- खुबसूरत घाटियाँ, अनछुए पहाड़ी मैदान, बर्फ से ढकी हिमालय कि चोटियाँ, बर्फीले हिमनद, झिलमिलाती झीले, जल धारायें एवं हिमनद। यह राज्य अपने में आध्यात्मिक एवं धार्मिक मंदिरों, धामों, नदियों के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध है।

तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है।

उत्तराखंड के प्रसिद्द धार्मिक स्थल है- बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार, हेमकुंड साहिब, रीठा साहिब एवं पंचकेदार। तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है। जीवन एक यात्रा की तरह है । कभी यह सहज लगती है तो कभी दुर्गम। जब मन में उत्साह और विश्वास की ऊर्जा जागती है तो जीवन यात्रा कितनी भी दुर्गम हो, उसे हम खुशी-खुशी पूरा कर लेते हैं। चारधाम यात्रा को भी लोग विश्वास और उर्जा के साथ उत्साह से पूरा करते हैं । फिर यह ऊर्जा जीवन भर हमारे साथ चलती है। जीवन का हर कठिन और दुसाध्य लगने वाला काम हमारे लिए आसान हो जाता है। यह यात्रा पूरी करने के बाद जीवन की हर मुश्किल आसान लगने लगती है क्योंकि हर वक्त विश्वास की शक्ति हमारे साथ रहती है।

एक समय था, जब आने-जाने के संसाधन भी नहीं थे और चारधाम यात्रा बेहद कठिन मानी जाती थी, तब भी गृहस्थी की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के बाद दम्पति पैदल चारधाम यात्रा करते थे। उस समय, जो दंपत्ति सकुशल वापस लौट आते, उनके आने की खुशी में पूरा गांव उत्सब मनाता था। वर्ष 1962 के पहले रास्ते इतने आसान नहीं थे। परन्तु चीन के साथ हुए युद्ध के उपरांत भारतीय सैनिकों की आवाजाही से तीर्थयात्रियों के लिए रास्ते आसान हो गए। आवागमन के साधनों में सुधार हुआ और आज चारधाम यात्रा तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय बन चुकी है। प्रतिवर्ष लाखों श्रधालु विश्वास के सहारे इस यात्रा को पूरा करते हैं।

हिन्दुओं के चार पवित्र स्थलों (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, एवं यमुनोत्री) की तीर्थयात्रा को चारधाम यात्रा कहा जाता है। सदियों से संत एवं तीर्थयात्री, निर्वाण की खोज में इन स्थलों पर आते रहे हैं, जिन्हें की हिन्दू पुराणों के अनुसार केदारखंड कहा गया है। हिन्दुओं की आस्था के अनुसार, इन चार स्थानों की यात्रा को अत्यंत धार्मिक महत्व कामाना गया है।

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ को इन चार धामों में सबसे पवित्र माना गया है। नर एवं नारायण नामक पर्वतों के बीच, एवं अलकनंदा नदी के तट पर स्थित बद्रीनाथ समुद्रतल से 3133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह धाम भगवान विष्णु को समर्पित है, जो की दुनिया के रक्षक माने गए हैं। यहाँ किसी भी जाती या वर्ण के भेदभाव के बिना, प्रभु के दर्शन किये जा सकते हैं। हिमालय की नीलकंठ चोटी का मनोरम रूप श्री बद्रीनाथ मंदिर के पीछे देखा जा सकता है। किसी समय यह स्थान बेरी के जंगलों के कारण बद्री वन नाम से प्रसिद्ध था। मंदिर के सामने, अलकनंदा के किनारे एक गर्म पानी का स्रोत तप्त कुंद नाम से जाना जाता है। स्त्रियों के लिए एक अलग कुण्ड की व्यवस्था है।

बदीनाथधाम की खोज आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा आठवीं शताब्दी में की गई थी। अपनी योग सिद्धि एवं तपस्या के बल से शंकराचार्य ने ही अलकनंदा नदी के नारद कुण्ड से भगवान बद्री नारायण की मूर्ती को बाहर निकाल कर तप्तकुंड के पास गरुड़ गुफा में स्थापित किया था, सात शताब्दियों के कालांतर में गढ़वाल के महाराजा द्वारा मंदिर निर्माण कर इस विग्रह को वर्तमान मंदिर में स्थापित करवाया गया था तथा 18वीं शताब्दी में इन्दोर की महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापित करवाए गए थे। बाद में भूकंप के कारण ध्वस्त हुए बद्रीनारायण मंदिर का वर्ष 1803 में जयपुर के महाराजा द्वारा पुनर्निर्माण करवाया गया था। समय एवं आवश्यकता के आधार पर इसका कई बार जीर्णोद्धार भी हुआ है, वर्तमान मंदिर स्थापत्य कला का अनुपम उदहारण कहा जा सकता है। अलकनंदा नदी से 50 मीटर ऊंचे धरातल पर निर्मित इस मंदिर का प्रवेश द्वार अलकनंदा नदी की ओर देखता हुआ है।

केदारनाथ

उत्तराखंड में लगभग 400 शिव मंदिरों में से सबसे महत्वपूर्ण केदारनाथ को माना जाता है। पूर्व कथाओं के अनुसार, कुरुक्षेत्र में कौरवों पर विजय पाने के उपरान्त, पांडवों का मन अपने की लोगो की हत्या के कारण ग्लानी से भर गया, और यहाँ भगवान शिव के आशीर्वाद उन्होंने मोक्ष की प्राप्ति की। भीम द्वारा भगवान शिव का पीछा किया जाने पर, वो धरती में विलीन हो गए, शिव के अन्य चार अंग, चार अन्य स्थानों पर उभर आये, जहाँ उन्हें अलग-2 नाम से पूजा जाता है। केदारनाथ एवं इन चार अन्य मंदिरों को एक साथ पञ्च केदार नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ की समुद्रतल से ऊंचाई लगभग 3584 मीटर है। यह मन्दाकिनी नदी के उदगम स्थल के निकट बसा हुआ है। मंदिर के चारो और ऊंची -2 मनोरम एवं खूबसूरत पहाड़ियां हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ का 14 किलोमीटर का मार्ग पहाड़ी मार्ग है यमुनोत्री की तरह यंहा भी एक तरफ ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं और दूसरी तरफ गहरी खाइयाँ जिनकी गहराई जैसे जैसे यात्री ऊपर चढ़ते हैं बढ़ती जाती है, बीच में पगडण्डीनुमा रास्ता है जो पत्थरों से बना हुआ है यद्यपि इसकी चोड़ाई यमुनोत्री मार्ग की अपेक्षा अधिक है ढ्ढ रास्ते में जगह जगह अस्थाई ढाबे बने हुए हैं जो स्थानीय गढ़वाली लोगों द्वारा संचालित होते हैं, इनमें अच्छे खाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती, ब्रांडेड वस्तुएं ही उपयोग की जानी चाहियें पूरे मार्ग में अलकनंदा नदी एवं हरियाली से आच्छादित पहाड़ साथ रहते हैं, पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ के ग्लेशियर यात्रियों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं, पहाड़ों से निकल कर नीचे आने वाले अनेक झरने मन को हर्षित करते हैं, पूरा मार्ग रमणीक तो है किन्तु थका देने वाला भी है गौरीकुंड से सात किलोमीटर की दूरी पर रामबाड़ा नाम का स्थान है यहां यदि यात्री चाहें तो रात्रि विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध हो सकती है। केदारनाथ का रास्ता तय करने के लिए यहां घोड़े और खच्चर भी उपलब्ध हैं।

गंगोत्री

गंगोत्री को पवित्र नदी गंगा का उदगम (गौमुख हिमनद, गंगोत्री से 18 किलोमीटर पैदल) एवं देवगंगा की स्थली माना गया है। उदगम स्थल से नदी को भागीरथी कहा जाता है, एवं देवप्रयाग में अलकनंदा से संगम के बाद, इसे गंगा नाम से जाना जाता है। हिन्दू आस्था के अनुसार, गंगा स्वर्ग की पुत्री हैं, जिन्होंने नदी के रूप में अवतार लेकर राजा भागीरथ के पुरखों के पापों को दूर किया। गंगोत्री मंदिर से लगभग 100 गज दूर केदार गंगा बहती है।

यमनोत्री

भारत की सर्वाधिक प्राचीन और पवित्र नदियों में गंगा के समकक्ष ही यमुना की गणना की जाती है। भगवान कृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यह नदी ब्रज संस्कृति की संवाहक है। भारतवासियों के लिए यह सिर्फ एक नदी नहीं है, भारतीय संस्कृति में इसे माँ का दर्जा दिया गया है।

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धामों में यमनोत्री का भी स्थान है। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद नामक पर्वत से हुआ है। हिमालय में पश्चिम गढ़वाल के बर्फ से ढँके श्रंग बंदरपुच्छ जो कि जमीन से 20,731 फुट ऊँचा है, के उत्तर-पश्चिम में कालिंद पर्वत है। इसी पर्वत से यमुना नदी का उद्गम हुआ है। कालिंद पर्वत से नदी का उद्गम होने की वजह से ही लोग इसे कालिंदी भी कहते हैं।

यमुना नदी का वास्तविक स्रोत कालिंद पर्वत के ऊपर बर्फ की एक जमी हुई झील और हिमनद चंपासर ग्लेश्यिर है। यह ग्लेश्यिर समुद्र तल से 4421 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसी ग्लेश्यिर से यमुना नदी निकलती है और ऊँचे-नीचे, पथरीले रास्तों पर इठलाती, बलखाती हुई पर्वत से नीचे उतरती है। यहाँ चावल की छोटी छोटी पोटली को गरम पानी के कुण्ड में पकाया जाता है और प्रसाद के तौर भोग लगाया जाता है

सावधानियां जो आवश्यक हैं

स्वांस की बीमारी से पीड़ितों एवं ह्रदय रोगियों को पैदल जाने का दुस्साहस नहीं करना चाहिए, चढ़ाई में परेशानी हो सकती है तथा ऑक्सीजन की कमी भी परेशान कर सकती है, ऐसे लोगों को गौरीकुंड से छोटे ऑक्सीजन के सिलेंडर खरीद कर साथ रखने चाहियें जो वंहा 250 -300 रुपये में आसानी से उपलब्ध होते हैं, कुछ लोग कपूर भी साथ रखते हैं जिसे सूंघने से कुछ राहत मिलती है ढ्ढ पैदल जाने वाले यात्रियों को सुविधा के लिए गौरीकुंड से ही छड़ियाँ (स्टिक्स) ले लेनी चाहिए चढ़ाई वाले मार्ग में यह चढ़ने एवं उतरने में सहायक होती हैं, जून से अगस्त में यंहा बरसात होती रहती है जो परेशानी का कारण बन सकती है इसके लिए हलके रैन कोट्स साथ रखने चाहियें जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लिया जा सकता है वैसे मार्ग में भी ऐसे हलके बरसाती गाउन उपलब्ध हो जाते हैं। किसी भी तरह की बीमारी से ग्रसित लोगों को अपनी दवाइयां अवश्य साथ रखनी चाहिए क्योंकि आप जो दवा लेते हैं वह आवश्यक नहीं कि वंहा के मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध हो जाये। डायबिटीज़ के रोगियों को भी अपनी दवा के अतिरिक्त खाने पीने की अन्य आवश्यक सामग्री अपने साथ अवश्य रखनी चाहिए। इस मार्ग में सुविधा जनक वस्त्र पहनने से किसी संभावित परेशानी से बचा जा सकता है। पांव में भी सुविधाजनक शूज़ या सेंडल ही पहनने चाहियें जो पांव को काटे नहीं,महिलाओं को ऊंची हील की चप्पल या सेंडल भूल कर भी नहीं पहननी चाहिए, पांव फिसलने या मुड़ने की संभावना रहती है। अपने साथ कम से कम वजन रखने से आपको थकान कम होगी, वैसे वजनदार सामान के लिए कंडी (पिट्ठू) हायर कर लेना आपके लिए सुविधाजनक होगा। यद्यपि पालकी या कंडी वाले मजदूर ईमानदार होते हैं फिर भी मूल्यवान वस्तुओं के प्रति सावधानी रखनी चाहिए।

मौसम

केदारनाथ में अप्रैल से जून तक मौसम दिन में सुहाना एवं रात्रि में हल्की ठंडक रहती है,इसलिए पहनने के लिए हलके गरम कपड़े साथ लेने चाहिए, जून से सितम्बर बरसात रहती है, पहाड़ों से चट्टानें टूट कर गिरने की भी संभावना रहती है जिससे मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं अत- सावधानी आवश्यक है,सितम्बर से नवम्बर में मंदिर के पट बंद होने तक तेज़ सर्दी रहती है, भारी गरम कपडे साथ रखना आवश्यक है। दीपावली पर कपट बंद होने के बाद अप्रैल में वापस खुलने तक पूरा क्षेत्र बर्फ से ढक जाता है, मार्ग भी बर्फ से बंद हो जाते हैं,इस अवधि में यंहा कोई नहीं रहता, दुकानों एवं मकानों की एक से दो मंजिल तक बर्फ में दब जाती हैं।

अमेरिकी मतदाताओं को लुभाने के विदेशी प्रयासों को लेकर अमेरिका ने चेताया

वाशिंगटन। अमेरिका में प्रतिनिधि सभा और सीनेट के नवंबर में होने वाले चुनाव के मद्देनजर संघीय अधिकारियों ने आगाह किया है कि रूस देश के चुनावों की अखंडता के बारे में संदेह बढ़ाने पर काम कर रहा है जबकि चीन भी इसमें हस्तक्षेप की कोशिश कर रहा है। 'द एसोसिएटेड प्रेस' द्वारा हाल में हासिल एक खुफिया परामर्श रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ऐसे उम्मीदवारों को रोकने के लिए कुछ चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है जिन्हें वह खासतौर से बीजिंग के प्रतिकूल मानता है। सितंबर में राज्यों तथा स्थानीय अधिकारियों को भेजे गए परामर्श में खुफिया अधिकारियों ने कहा कि उनका मानना है कि बीजिंग राष्ट्रपति चुनाव के बजाय मध्यावधि चुनावों में हस्तक्षेप करने को कम खतरे के तौर पर देखता है। बहरहाल, अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अमेरिका में चुनावी बुनियादी ढांचे पर कोई पुष्ट खतरे की पहचान नहीं की है। खुफिया अधिकारियों ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब मध्यावधि चुनाव के लिए प्रचार अभियान चरम पर है और कई उम्मीदवारों तथा मतदाताओं ने खुले तौर पर देश की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास की कमी जताई है। रूस पर अमेरिका के 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप का आरोप है। उसके बाद से ही अमेरिकी सरकार चौकन्ना रही है और उसने अमेरिका की राजनीति में दखल देने की रूस, चीन तथा ईरान की कोशिशों को लेकर बार-बार चेतावनी दी है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को नाम न बताने की शर्त पर पत्रकारों को बताया कि रूस अमेरिकी चुनावों की अखंडता के बारे में संदेह समेत इंटरनेट पर पहले ही प्रसारित हो रहे विभाजनकारी मुद्दों को फैला रहा है लेकिन वह अपनी तरफ से खुद कोई नयी सामग्री नहीं बना रहा है। अधिकारी ने बताया कि चीन के प्रयास चुनावी परिणामों के बजाय राज्य तथा स्थानीय स्तर पर नीतिगत दृष्टिकोणों को आकार देने पर अधिक केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि चीन का ध्यान अमेरिका में ऐसे उम्मीदवारों पर केंद्रित है जिन्हें वह अपने नीतिगत हितों के खिलाफ मानता है। हालांकि, चीन और रूस के अधिकारी चुनावों में हस्तक्षेप के अमेरिका के आरोपों को खारिज करते रहे हैं तथा इसके बजाय वे अमेरिका पर अन्य देशों में दखल देने का आरोप लगाते हैं।

क्वांटम विज्ञान पर कार्य करने के लिए तीन वैज्ञानिकों को मिला भौतिकी का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। महत्वपूर्ण उपयोग वाले क्वांटम सूचना विज्ञान पर कार्य करने के लिए तीन वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से इस वर्ष का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार देने की मंगलवार को घोषणा की गई। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने 'क्वांटम सूचना विज्ञान' के लिए फ्रांस के एलै एस्पै, अमेरिका के जॉन एफ क्लाउसर और ऑस्ट्रिया के एंतन साइलिंगर को यह पुरस्कार देने की घोषणा की। 'फोटोन' कहे जाने वाले कणों को अधिक दूरी तक अलग-अलग किए जाने के बावजूद उन्हें जोड़ सकने वाले या पकड़ने के तरीकों की खोज के लिए तीनों वैज्ञानिकों को यह पुरस्कार दिया गया है। क्वांटम सूचना विज्ञान का एक उदाहरण 'इनक्रिप्शन' भी है। उल्लेखनीय है कि 'इनक्रिप्शन' एक ऐसी पद्धति है, जिसके जरिए सूचना को गुप्त कोड में परिवर्तित किया जाता है जो सूचना के सही अर्थ को छिपा देता है। नोबेल कमेटी की सदस्य इवा ओलसन ने कहा, ''क्वांटम सूचना विज्ञान एक जीवंत और तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है।'' उन्होंने कहा, ''सूचना के सुरक्षित स्थानांतरण, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेंसिंग प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में इसके व्यापक उपयोग की संभावना है।'' इवा ने कहा, ''इसकी जड़ें क्वांटम मैकेनिक्स तक जाती हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसके अनुमानों ने एक दूसरी दुनिया के द्वार खोल दिए हैं और माप की हमारी व्याख्या की पूरी बुनियाद को भी इसने हिलाकर रख दिया है।'' घोषणा के बाद साइलिंगर ने एक संवाददाता सम्मेलन में फोन पर कहा कि उन्हें पुरस्कार मिलने की घोषणा सुनकर वह स्तब्ध हैं। वियना विश्वविद्यालय से संबद्ध साइलिंगर (77) ने कहा, ''लेकिन यह सकारात्मक अनुभव है।'' उल्लेखनीय है कि तीनों वैज्ञानिकों को 2010 में इजराइल में वुल्फ पुरस्कार मिला था, जिसे नोबेल पुरस्कार मिलने की संभावना बनाने वाला पुरस्कार माना जाता है। नोबेल कमेटी ने कहा कि क्लाउसर (79) क्वाटम सिद्धांत को व्यावहारिक प्रयोग में लेकर आए और एस्पै (75) ने 1960 के दशक में पहली बार प्रतिपादित किए गए इस सिद्धांत की खामियों को दूर किया, जबकि साइलिंगर ने 'क्वांटम टेलीपोर्टेशन' को प्रदर्शित किया जिसने दूरी तक सूचना के पारेषण में मदद की। साइलिंगर ने कहा कि उन्होंने जब अपना अनुसंधान कार्य शुरू किया था तो प्रयोग पूरी तरह से दार्शनिक थे जो किसी संभावित उपयोग के बगैर थे। तब से, इन वैज्ञानिकों के कार्य का उपयोग क्वांटम कंप्यूटर, क्वांटम नेटवर्क और सुरक्षित क्वांटम इनक्रिप्टेड संचार के क्षेत्रों के विकास में किया गया। सोमवार को, चिकित्सा के क्षेत्र में पुरस्कार के ऐलान के साथ इस वर्ष के लिए नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की शुरुआत हुई। बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के क्षेत्र में इन पुरस्कारों की घोषणा की जाएगी। इस वर्ष (2022) के नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में पुरस्कार की घोषणा 10 अक्टूबर को होगी। पुरस्कार के रूप में विजेता को करीब एक करोड़ स्वीडिश क्रोनर (करीब 9,00,000 डॉलर) दिए जाएंगे।

पीएम मोदी और पुतिन के गहरे संबंध पर लेकर तिलमिलाई अमेरिकी मीडिया

वाशिंगटन। पीएम नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से एससीओ बैठक कर कहा था कि यह युद्ध का दौर नहीं है। हमें शांति से सभी मामलों का हल करना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी के बयान की काफी तारीफ हुई थी। अमेरिका, फ्रांस सहित दुनिया के कई देशों ने पीएम नरेंद्र मोदी की सीख की सराहना की थी। हालांकि अमेरिकी मीडिया ने पीएम मोदी की टिप्पणी और भारत के रुख पर सवाल उठाया है। कई विश्लेषकों के हवाले से लेख में कहा गया है कि एक तरफ भारत युद्ध से दूर रहने की बात कर रहा है, जबकि वास्तव में वह पुतिन के साथ ही है।

अमेरिकी मीडिया ने कहा कि एक ओर पश्चिमी देशों ने क्रेमलिन पर बैन लगाए हैं, वहीं भारत ने उन्हें नजरअंदाज किया। उससे बड़े पैमाने पर तेल, कोयला और फर्टिलाइजर की खरीद की गई। इससे पुतिन को आर्थिक तौर पर ताकत मिली। यही नहीं संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ दो बार लाए गए निंदा प्रस्तावों से भी भारत के दूर रहने पर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी मीडिया ने कहा कि भारत के इस कदम से मॉस्को को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैधता मिली है। यही नहीं रूस में चीन, बेलारूस, मंगोलिया और ताजिकिस्तान के साथ युद्धाभ्यास में भारत भी शामिल हुआ था। इतना ही नहीं भारत और रूस के संबंधों का जिक्र करते हुए लेख में लिखा कि बीते साल दिसंबर में जब यूक्रेन की सीमा पर रूस ने बड़े पैमाने पर सेना को तैनात किया था, तब पुतिन को नई दिल्ली में बुलाया गया था। इस लेख में कहा गया है कि शीत युद्ध के दौर से ही रूस और भारत के संबंध बेहतर बने हुए हैं। आज भी भारत हथियारों की जरूरत के मामले में रूस पर निर्भर करता है।

6.73 अरब में बिका दुबई का सबसे महंगा आधुनिक स्थापत्य का बेहतरीन नमूना सिग्नेचर विला

दुबई। एल्पागो प्रॉपर्टीज ने दुबई के रियल एस्टेट बाजार में डबल सिग्नेचर विला 'कासा डेल सोल' को पाम जुमेराह के बिलियनेयर्स रो पर एईडी (दुबई की करेंसी) 302.5 मिलियन में बेचकर रिकॉर्ड बनाया है। पाम जुमेराह बिलियनेयर्स रो पर सबसे बड़ा सिग्नेचर विला कासा डेल सोल एक रिकॉर्ड सौदे पर बेचा गया। इस आधुनिक वास्तुशिल्प के नमूने ने संयुक्त अरब अमीरात में सबसे महंगी विला बिक्री के रूप में रिकॉर्ड बुक में जगह बनाई है।

8 बेडरूम और 15 कारों के लिए अंडरग्राउंड पार्किंग के साथ, बेहद बड़ा कासा डेल सोल को 28,000 वर्ग फुट के प्लॉट पर चार स्तरों (बेसमेंट, ग्राउंड, फर्स्ट, सेकंड फ्लोर) पर बनाया गया है। इसमें लगभग 25,000 वर्ग फुट का एक संलग्न क्षेत्र है, जो इसे पाम जुमेराह के फ्रोंड जी बिलियनेयर्स में स्थित अल्पागो प्रॉपर्टीज के सबसे बड़ा सिग्नेचर विला बनाता है। विला में होम सिनेमा, बॉलिंग एली, जिम, हम्माम, सौना, इन्फिनिटी पूल, जकूजी, गेम रूम, टैरेस सीटिंग एरिया आदि जैसी सुविधाएं हैं। उल्लेखनीय है कि यह महत्वपूर्ण बिक्री ने संयुक्त अरब अमीरात के रियल एस्टेट बाजार में एक नया मानदंड स्थापित किया है। कासा डेल सोल के साथ 2023 की पहली तिमाही समाप्त होने के साथ, यह पाम जुमेराह पर 6 सेट की सीरीज में चौथा सिग्नेचर विला होगा। अल्पागो ग्रुप के मूरत अय्यल्डिज ने कहा हम इस बिक्री से खुश हैं, जो बाजार में हमारी क्षमताओं को रेखांकित करती है। यह बिक्री शीर्ष आवासीय, वाणिज्यिक और आतिथ्य परियोजनाओं को विकसित करने में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत करती है।

श्रीलंका की संसद में 22वें संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा स्थगित जा सकती है: सूत्र

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका में राष्ट्रपति के मुकाबले संसद को अधिक शक्तियां प्रदान करने से संबंधित 22वें संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा एसएलपीपी पार्टी के भीतर असहमति के कारण स्थगित होने की संभावना है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विधेयक पर छह और सात अक्टूबर को चर्चा होनी है। कैबिनेट 22वें संविधान संशोधन से संबंधित मसौदा विधेयक को मंजूरी दे चुकी है और अगस्त में इस संबंध में एक राजपत्र जारी किया गया था। 22वें संशोधन को मूल रूप से 21ए नाम दिया गया है और यह 20 की जगह लेगा।

देश में चल रही आर्थिक उथल-पुथल के बीच यह संशोधन तैयार किया गया है, जिसके चलते राजनीतिक संकट भी पैदा हो गया है। इससे पहले साल 2020 में 19वें संशोधन को समाप्त करके 20ए पारित किया गया था, जिसके बाद पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को बेतहाशा अधिकार मिल गए थे। सूत्रों ने कहा कि अब सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी के भीतर असहमति के कारण विधेयक पर चर्चा स्थगित की जा सकती है।

एक सांसद ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'कल संसदीय समूह की बैठक में इससे संबंधित चिंताओं पर बात हुई। अधिकांश ने महसूस किया कि आर्थिक संकट और सुरक्षा स्थिति को देखते हुए इस समय इसे स्थगित करना सही है।' हालांकि, न्याय और संवैधानिक मामलों के मंत्री विजयदासा राजपक्षे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि तीन या चार सदस्यों ने कुछ प्रावधानों के बारे में असहमति व्यक्त की थी।

चिंताओं पर चर्चा के लिए उन्होंने बुधवार को संसदीय समूह के साथ फिर से बैठक करने का फैसला किया है। राजपक्षे ने कहा, 'दो दिवसीय चर्चा अभी भी जारी है।' उल्लेखनीय है कि देश की अर्थव्यवस्था को गलत तरीके से संभालने के लिए जुलाई के मध्य में राजपक्षे के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसके बाद वह देश छोड़कर भाग गए थे।

उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के बाद बाइडन ने जापान के प्रधानमंत्री किशिदा से बात की

वाशिंगटन। उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किए जाने के बाद उसके अगले कदम पर चर्चा के मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन ने मंगलवार को जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से बातचीत की। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि नेताओं ने उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण की कड़े शब्दों में निंदा की। नेताओं ने उत्तर कोरिया के इस परीक्षण को जापानी लोगों के लिए खतरा, क्षेत्र को अस्थिर करने वाला कदम तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों नेता तत्काल और दीर्घकालिक प्रतिक्रिया के साथ-साथ दक्षिण कोरिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ समन्वय करने पर सहमत हुए।

अगले तीन साल में भारत से 180कनिष्ठ चिकित्सकों की भर्ती करेगा सिंगापुर

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

सिंगापुर अगले तीन साल में भारत से 180कनिष्ठ चिकित्सकों की भर्ती करने की योजना बना रहा है। इस कदम पर कई लोगों ने सवाल भी उठाए हैं। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई है। खबर के अनुसार, 10 अक्टूबर को समाप्त होने वाली एक निविदा के तहत 2022 से 2024 तक भारत से हर साल 60 चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना को 2025 तक बढ़ाने की संभावना भी है।

सिंगापुर के सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों से संबद्ध एक कंपनी एमओएच होल्डिंग्स (एमओएचएच) के अनुसार, सिंगापुर काम के बोझ को कम करने और अपनी स्वास्थ्य क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए विदेश से चिकित्सकों की भर्ती कर रहा है। कंपनी ने निविदा (टेंडर) की पुष्टि करते हुए कहा कि केवल भारत से नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन से भी चिकित्सकों की भर्ती की जा रही है। कंपनी ने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों की तलाश है जिन्होंने मेडिकल पंजीकरण अधिनियम में सूचीबद्ध मेडिकल स्कूलों से स्नातक किया हो।

कंपनी ने कहा, '' इन चिकित्सकों को कड़े नियमों के तहत 'क्लीनिकल प्रैक्टिस' (इलाज करने) के लिए सशर्त पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी।' कंपनी के अनुसार, 'सिंगापुर मेडिकल काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त मेडिकल स्कूलों से स्नातक करने वाले स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।'' हालांकि इस निविदा को लेकर चिकित्सा समुदाय में चिंताएं बढ़ गई हैं। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर इसको लेकर सवाल उठाए हैं। कुछ ने भारत से चिकित्सकों की ''भर्ती'' पर सवाल उठाए तो कुछ ने नकली प्रमाणीकरण को लेकर चिंता जाहिर की। अन्य कुछ लोगों ने पूछा कि सिंगापुर इसके बजाय देश के मेडिकल स्कूलों में छात्रों की संख्या क्यों नहीं बढ़ा सकता? 'सॉ स्वी हॉक स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' के एसोसिएट प्रोफेसर जेरेमी लिम पिछले महीने के अंत में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था कि सिंगापुर जैसे विकसित देश अगर विदेशों से स्वास्थ्य पेशेवरों की भर्ती करते हैं, तो यह चिंता की बात है। एमआएचएच ने बताया कि वह हर साल करीब 700 कनिष्ठ चिकित्सकों की भर्ती करता है। इनमें से 90 प्रतिशत सिंगापुर के निवासी हैं जिन्होंने या तो सिंगापुर के मेडिकल स्कूलों में पढ़ाई की है या जो विदेश में मान्यता प्राप्त मेडिकल स्कूलों से स्नातक करने के बाद देश लौट आए। देश में पिछले कुछ साल में चिकित्सकों की कमी बढ़ी है। 'चैनल न्यूज एशिया' ने कंपनी के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि 2012 से 2019 के बीच सिंगापुर मेडिकल स्कूलों ने छात्रों की भर्ती 45 प्रतिशत बढ़ाई है। 2012 में ये 350 थी और 2019 में 510 हो गई। कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रकोप के कारण 2020 और 2021 में अतिरिक्त 40 छात्रों को दाखिला दिया गया था।

जापान ने रूस के वाणिज्य दूत को देश से निष्कासित किया

टोयो। (एजेंसी)।

जापान ने पिछले महीने एक जापानी राजनयिक को कथित जासूसी के लिए मास्को से निष्कासित किये जाने के जवाब में मंगलवार को देश के उत्तरी शहर साप्पोरो से रूसी वाणिज्य दूत को छह दिनों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। जापानी विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने वाणिज्य दूत को एक अवांछित व्यक्ति घोषित किया और उन्हें अगले सोमवार तक देश छोड़ने का आदेश दिया। मंत्रालय ने वाणिज्य दूत का नाम जारी नहीं किया, लेकिन कहा कि यह कदम ''रूस द्वारा उठाए गए कदम के जवाब में एक उपयुक्त उपाय के तौर पर किया गया।''

हयाशी ने कहा कि उप विदेश मंत्री ताकेओ मोरी ने जापान में रूसी राजदूत मिखाइल गालुजिन को इस फैसले के बारे में सूचित करने के लिए तलब किया। पिछले महीने रूस ने जासूसी के आरोपों में व्लादिवोस्तोक में जापानी वाणिज्य दूत को हिरासत में लिया था और उन्हें देश से निष्कासित कर दिया था। वाणिज्य दूत तत्सुनोरी मोतोकी पिछले सप्ताह जापान लौट आये थे। जापानी अधिकारियों का कहना है कि कथित जासूसी के आरोप में हिरासत में लिए गए मोतोकी की आंखों पर पट्टी बांधी गई थी। उन्हें 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया था।

जापान ने आरोपों का खंडन किया है। हयाशी ने मोतोकी के साथ रूस के व्यवहार को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताया। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद रूस पर जापान द्वारा प्रतिबंध लगाये जाने के बाद, यह विवाद दोनों देशों के बिगड़ते संबंधों का ताजा उदाहरण है। जापान और रूस ने एक-दूसरे के कई राजनयिकों को निष्कासित किया है। रूस ने जापान के साथ शांति वार्ता रोक दी है, जिसमें द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में सोवियत संघ द्वारा नियंत्रण में लिये गए द्वीपों को लेकर वार्ता शामिल है।

डब्लूएचओ में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगे डा. विवेक मूर्ति

- राष्ट्रपति बाइडन ने किया नामित

वाशिंगटन (एजेंसी)।

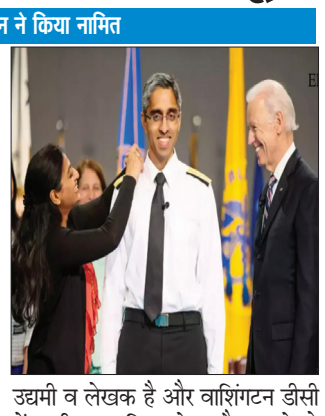

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतवंशी डा. विवेक मूर्ति को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के कार्यकारी बोर्ड में अमेरिका का प्रतिनिधि नियुक्त किया है। 45 वर्षीय डा. मूर्ति वर्तमान में अमेरिका के 21 वें सर्जन जनरल के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मूर्ति अपनी वर्तमान भूमिका के साथ नया प्रभार भी संभालेंगे। व्हाइट हाउस की जानकारी दी गई है।

व्हाइट हाउस के अनुसार पहले भारतवंशी सर्जन जनरल डा. विवेक मूर्ति मियामी में पले-बढ़े है। उसके बाद हार्वर्ड के याले स्कूल ऑफ मेडिसिन से ग्रेजुएट हैं। उन्होंने याले स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट से भी शिक्षा प्राप्त की है। डा. मूर्ति एक जाने-माने फिजिशियन, अनुसंधान विज्ञानी, उद्यमी व लेखक है और वाशिंगटन डीसी में पत्नी डा. एलिस चेन और अपने दो बच्चों के साथ रहते हैं। अमेरिकी सीनेट ने देश के 21वें सर्जन जनरल के लिए मार्च 2021 में डा. मूर्ति की पुष्टि की थी। इससे पहले राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान भी वे 19 वें सर्जन जनरल के रूप में कार्य कर चुके हैं।

बिडेन का कहना है कि प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के लिए ईरान को परिणाम भुगतने होंगे

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने ईरान में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके खिलाफ हिंसा करने वाले दोषियों को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। गौरतलब है कि कथित तौर पर हिजाब ठीक से नहीं पहनने के चलते धर्माचार पुलिस ने 22 वर्षीय महसा अमीनी को हिरासत में लिया था और बाद में उसकी मौत के बाद देशभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे। ईरानी सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

बाइडन ने कहा, ''ईरान की सरकार ने दशकों से अपने लोगों को मौलिक आजादी नहीं दी और धमकी, बल तथा हिंसा के जरिए आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं को दबाया है। अमेरिका, ईरानी महिलाओं तथा ईरान के सभी नागरिकों के साथ है जो अपनी बहादुरी से दुनिया को प्रेरित कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी नागरिकों के लिए इंटरनेट तक पहुंच को आसान बना रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरानी अधिकारियों तथा संस्थाओं जैसे कि धर्माचार पुलिस को जवाबदेह भी ठहरा रहा है जो नागरिक समाज को दबाने के लिए हिंसा भड़काने के जिम्मेदार हैं।

बाइडन ने एक बयान में कहा, ''अमेरिका शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा के दोषियों पर इस सप्ताह पाबंदियां लगाएगा। हम ईरान के अधिकारियों को जवाबदेह ठहराते रहेंगे और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने के ईरानी लोगों के अधिकारों का समर्थन करते रहेंगे।'' ईरानी सरकारी टीवी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों तथा ईरानी सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़पों में मरने वाले लोगों की संख्या 41 तक पहुंच गई है।

मानवाधिकार समूहों ने इससे अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने का दावा किया है। स्थानीय अधिकारियों ने कम से कम 1,500 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। बाइडन ने कहा, ''मैं ईरान में अपने अधिकार और मूलभूत मानवीय गरिमा की मांग कर रहे छात्रों और महिलाओं समेत शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई तेज होने की खबरों को लेकर बहुत चिंतित हूं।

क्या सोच रहे हैं पुतिन? परमाणु विशेषज्ञों के लिए जानना कठिन

कीव (एजेंसी)।

क्या राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन परमाणु हथियार का इस्तेमाल करेंगे? क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) पर नजर रखने वाले यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या रूसी नेता की परमाणु धमकी सिर्फ झांसा है, इससे अहम और कठिन सवाल नहीं हो सकता। फिलहाल के लिये, विश्लेषक सतर्कतापूर्वक यह सुझाते हैं कि इस बात का जोखिम कम लगता है कि पुतिन दुनिया के सबसे बड़े परमाणु हथियार के जखीरे का इस्तेमाल करेंगे। सीआईए ने कहा है कि उसे आसन्न रूसी परमाणु हमले के संकेत नहीं दिखते हैं।

फिर भी, यूक्रेन में युद्ध छेड़ने के दौरान रूस की रक्षा के लिए 'उपलब्ध सभी साधनों' का उपयोग करने के उनके संकल्प को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है। और शुक्रवार को उनके द्वारा किए गए इस दावे ने परमाणु हथियारों के दांव को लेकर आशंकाएं और बढ़ा दी हैं कि अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम का इस्तेमाल कर 'एक मिसाल कायम की है।'

व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय) ने चेतावनी दी कि पुतिन परमाणु हमले का रुख करते हैं तो इसके 'रूस के लिए विनाशकारी परिणाम' होंगे। सवाल यह है कि क्या इससे पुतिन के हाथ रुकेंगे ? इसका अंदाजा किसी को नहीं है। क्रेमलिन पर नजर रखने वाले बेचैनी के साथ स्वीकार करते हैं कि वे पुख्ता तौर पर नहीं कह सकते कि वह क्या सोच रहे हैं या फिर वह तर्कसंगत और परिणामों से अच्छी तरह अवगत हैं?

रूसी खुफिया संस्था केजीबी के पूर्व एजेंट ने जोखिम और अस्थिरता का सामना करने का माद्दा दर्शाया है। जासूसी उपग्रहों से सुसज्जित पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के लिए भी यह बताना मुश्किल है कि क्या पुतिन झांसा दे रहे हैं या वास्तव में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से उन्हें गुरेज नहीं होगा। सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने 'सीबीएस न्यूज' को बताया, 'हमें आज अमेरिकी खुफिया समुदाय में कोई व्यावहारिक सबूत नहीं दिख रहा है कि वह वास्तविक उपयोग के करीब जा रहा है, या फिर सामरिक परमाणु हथियारों के उपयोग करने का एक आसन्न खतरा है।'

बर्न्स ने कहा, 'हमें इसे गंभीरता से लेने और वास्तविक तैयारियों के संकेत को देखने की जरूरत है।' क्रेमलिन पर नजर रखने वाले आंशिक रूप से इस बात को लेकर भी माथापच्ची कर रहे हैं कि आखिर कैसे परमाणु ताकत यूक्रेन में रूस के सैन्य नुकसान की भरपाई में मदद कर सकती है। यूक्रेनी सैनिक अपनी जमीन पर फिर से कब्जा करने के लिए बड़ी संख्या में टैंकों का उपयोग नहीं कर रहे हैं, और कभी-कभी गांवों के रूप में छोटे स्थानों के लिए लड़ाई होती है।

ऐसे में रूसी परमाणु ताकतें विजयी प्रभाव के साथ क्या लक्ष्य तय कर सकती हैं? परमाणु जोखिम में माहिर संयुक्त राष्ट्र के निरस्त्रीकरण अनुसंधान संस्थान के एक वरिष्ठ शोधकर्ता एंड्री बकलिट्स्की ने कहा, 'परमाणु हथियार जादू की छड़ी नहीं हैं'। उन्होंने कहा, 'वे कुछ ऐसा नहीं है कि आप उनका उपयोग करेंगे और आपकी सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।' विश्लेषकों को उम्मीद है कि परमाणु हथियारों को घेरने वाली वर्जना एक निरोधक है।

अमेरिका द्वारा छह अगस्त और नौ अगस्त, 1945 को परमाणु बमों से जापानी शहरों को नष्ट करने के बाद हिरोशिमा और नागासाकी में मानवीय पीड़ा का भयावह पैमाना, ऐसे हथियारों के दोहराव के खिलाफ एक शक्तिशाली तर्क था। इन हमलों में करीब 2,10,000 लोगों की जान गई थी। विकिरण के दुष्प्रभाव दुनिया ने बरसों बरस देखे। इसके बाद किसी भी देश ने परमाणु हथियार का उपयोग नहीं किया। विश्लेषकों का अनुमान है कि पुतिन के लिये भी यह आसान नहीं होगा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन के बाद परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने वाले पहले नेता बनें।

आरएएनडी कॉर्पोरेशन के एक वरिष्ठ नीति शोधकर्ता और अमेरिकी रक्षा विभाग में रूसी सैन्य क्षमताओं के एक पूर्व विश्लेषक, दारा मैसिकोट ने कहा, 'रूस में अब भी उस सीमा को पार करना एक वर्जित कदम है।' बकलिट्स्की ने कहा, 'धरती के इतिहास में सबसे कठिन फैसलों में से एक।' इससे होने वाली प्रतिक्रिया पुतिन को एक वैश्विक तिरस्कृत नेता में बदल सकती है।

सार समाचार

बरातियों से भरी बस खाई में गिरी, 25 की मौत व 21 लोगों को रेस्क्यू किया

देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार की सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यह हादसा पौड़ी गढ़वाल जिले के सिमड़ी गांव के पास रिखनीखाल-बिरोखल मार्ग पर हुआ है, जहां बारातियों से भरी बस गहरी खाई में गिर गई। बस में 45 से 50 लोग सफर कर रहे थे। इस हादसे में अब तक 25 की मौत व 21 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। राज्य के डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि बस में करीब 50 लोग सवार थे। वहीं घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर राहत बचाव कार्य शुरु कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि खाई ज्यादा गहरी होने की वजह से रेस्क्यू करने में मुश्किल आ सकती है। खाई करीब 500 मीटर गहरी हो सकती है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पौड़ी के जिलाधिकारी विजय कुमार जोगदंडे, एसडीएम स्मिता परमार घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके हैं। विधायक दिलीप सिंह रावत ने भी घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि खाई बहुत ज्यादा गहरी है। वहीं इस घटना को लेकर डीएम विजय कुमार जोगदंडे का कहना है कि हादसा काफी बड़ा है। अभी बिना मौके पर पहुंचे इस घटना में मौतों और घायलों का अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल है। इसके अलावा 40 से 50 किलोमीटर के दायरे वाले थानों को भी सूचना दे दी गई है।

चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलेट की मौत

तवांग। अरुणाचल प्रदेश के तवांग इलाके के पास भारतीय सेना का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस हादसे में एक पायलट की मौत हो गई है। भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से घटना की पुष्टि की गई है। इस हेलीकॉप्टर में दो पायलेट सवार थे।जिसमें एक पायलेट की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। अरुणाचल में सुबह करीब 10 बजे एक नियमित उड़ान के दौरान यह घटना हुई। हेलीकॉप्टर में सवार दोनों पायलटों को नजदीकी सैन्य अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, लेफ्टिनेंट कर्नल सौरभ यादव के रूप में पहचाने गए पायलेट ने इलाज के दौरान ही दम तोड़ दिया। दूसरे पायलेट का इलाज जारी है। ईएमएस को मिली जानकारी के अनुसार चीता हेलीकॉप्टर कथित तौर पर जेमीथांग सर्कल के बीटीके इलाके के पास न्यामजंग चू में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। जो 5वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग को छोड़कर यह हेलीकॉप्टर सुरवा सांबा इलाके से बापस आ रहा था।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकी और सुरक्षा बलों की दो मुठभेड़ों में 4 स्थानीय आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जहां एक तरफ भारत के गृहमंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर यात्रा पर हैं, वहीं आतंकी राज्य के माहौल को खराब करने के लिए पूरा प्रयास कर रहे है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच बुधवार को हुई दो मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शोपियां के द्राच इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए, जबकि दक्षिण कश्मीर जिले के मूलु इलाके में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया। कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने ट्वीट किया, शोपियां जिले के द्राच में हुई मुठभेड़ में जैश के तीन आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि मूलु इलाके में मारा गया आतंकवादी लश्कर से जुड़ा था। कुमार ने बताया कि द्राच इलाके में मारे गए जैश के तीन में से दो आतंकवादियों की पहचान हनान बिन याकूब और जमशेद कुमार के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि ये आतंकवादी दो अक्टूबर को पुलवामा के पिंगलाना में विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) जावेद डार और जिले में 24 सितंबर को पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की हत्या में शामिल थे।

रैगिंग और आत्महत्या को रोकने एनएमसी ने बनाई कमेटी

नई दिल्ली । मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के कारण बीच में पढ़ाई छोड़ने और छात्रों में आत्महत्या के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसको देखते हुए नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने ऐसे मामलों पर रोक के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी बनाई है। मेडिकल एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ अरुणा वानीकर को एनएमसी की एंटी रैगिंग कमेटी का चेयर पर्सन बनाया है। 27 सितंबर को कमेटी की पहली बैठक हुई है। इसमें हर आत्महत्या की वजह रैगिंग नहीं मानी जा सकती है। लेकिन जिस तरह से मेडिकल कॉलेजों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उसको रोकना एनएमसी की जिम्मेदारी है। कमेटी ने सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और डीन को पत्र लिखकर 125 मेडिकल छात्रों और इसी अवधि में 105 रेजीडेंट डॉक्टरों की आत्महत्या के संबंध में जानकारी मांगी है। कमेटी ने कालेजों से यह भी जानकारी मांगी है, कि कितने छात्रों अपने बीच में पढ़ाई छोड़ी है।कॉलेज में स्टूडेंट से कितने घंटे काम लिया जा रहा है। साप्ताहिक छुट्टी को लेकर भी कमेटी नें जानकारी मांगी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने उत्तराखंड में हिमस्खलन में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तराखंड में हिमस्खलन में हुई लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और बचाव अभियान की पूर्ण सफलता के लिए प्रार्थना की। मुर्मू ने ट्वीट किया, उत्तराखंड के उत्तरकाशी में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के कई प्रशिक्षुओं की हिमस्खलन से मौत का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि राहत एवं बचाव कार्य में पूर्ण सफलता मिले। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्राचार्य कर्नल अमित बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में माउंट द्रौपदी का डांडा-2 शिखर पर मंगलवार को नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) की 41 सदस्यीय टीम के हिमस्खलन की चपेट में आने के बाद वहां दस शव देखे गए हैं। बिष्ट ने कहा कि हिमस्खलन सुबह करीब पौने नौ बजे लगभग 17,000 फुट की ऊंचाई पर तब हुआ जब उत्तरकाशी स्थित 'निम' के 34 प्रशिक्षु पर्वतारोहियों और सात प्रशिक्षकों का एक दल शिखर से वापस लौट रहा था। कर्नल बिष्ट ने कहा कि हिमस्खलन के बाद टीम के सदस्य हिम-दरारों में फंस गए। उन्होंने कहा कि दस शव देखे गए हैं, जिनमें से चार बरामद कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अंधेरे और खराब मौसम के कारण रात में बचाव कार्य रोक दिया गया है। कर्नल बिष्ट ने कहा कि 'निम' में एक उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के तहत, पर्वतारोहण प्रशिक्षुओं का दल अपने प्रशिक्षकों के साथ अधिक ऊंचाई वाली चोटी पर गया था। उत्तरकाशी आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने पहले दिन में कहा था कि फंसे हुए लोगों में से आठ को बचा लिया गया है।

पटना उच्च न्यायलय के फैसले के बाद बिहार नगर निकाय चुनाव अधर में लटका

नई दिल्ली। पटना उच्च न्यायालय के मंगलवार के फैसले के बाद बिहार निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय चुनाव को तत्काल स्थगित कर दिया है। उच्च न्यायालय ने स्थानीय नगर निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अति पिछड़ा वर्ग के लिए सीटों के आरक्षण को ''अवैध'' करार दिया है और कहा है कि ऐसी सीटें सामान्य श्रेणी के तौर पर माने जाने के बाद ही चुनाव कराए जाएं। मुख्य न्यायाधीश संजय करोल और न्यायमूर्ति एस कुमार की खंडपीठ ने कोटा प्रणाली को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया कि ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटें मानते हुए फिर से अधिसूचना जारी कर चुनाव आयोजित किया जाए। अदालत का यह आदेश उस समय आया जब 10 अक्टूबर को पहले चरण के मतदान में एक हफ्ते से भी कम समय रह गया था। अदालत के इस आदेश के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों को एक परिपत्र जारी कर कहा कि इस आदेश के आलोक में नगरपालिका आम निर्वाचन, 2022 की प्रक्रिया- तैयारी में आवश्यक संशोधन की आवश्यकता है , उसके फलस्वरूप प्रथम चरण के 10 अक्टूबर एवं द्वितीय चरण के 20 अक्टूबर के मतदान को तत्काल स्थगित किया जाता है। उसने कहा कि मतदान की अगली तिथि के बारे में बाद में सूचना जारी की जाएगी। अदालत के इस आदेश के बाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू और हाल में सत्ता से बाहर हुई भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया। जदयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने ट्वीट कर कहा, ''बिहार में चल रहे नगर निकायों के चुनाव में अतिपिछड़ा आरक्षण को रद्द करने एवं तत्काल चुनाव रोकने का उच्च न्यायालय का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा निर्णय केन्द्र सरकार और भाजपा की गहरी साज़िश का परिणाम है।'' उन्होंने कहा, ''अगर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने समय पर जातीय जनगणना करवाकर आवश्यक संवैधानिक औपचारिकताएं पूरी कर ली होती तो आज ऐसी स्थिति नहीं आती।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने आरोप लगाया, ''नीतीश कुमार की ज़िद का परिणाम है कि पटना उच्च न्यायालय को नगर निकाय चुनावों में आरक्षण रोकने का आदेश देना पड़ा। उच्चतम न्यायालय के ट्रिपल टेस्ट के निर्देश को नीतीश कुमार ने नकार दिया। तत्काल चुनाव रोका जाय।'' उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना का नगर निकाय चुनाव से कोई सम्बन्ध नहीं है।

पाकिस्तान से नहीं होगी कोई बातचीत, मोदी सरकार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करती : अमित शाह

बारामूला (जम्मू कश्मीर)। (एजेंसी)।

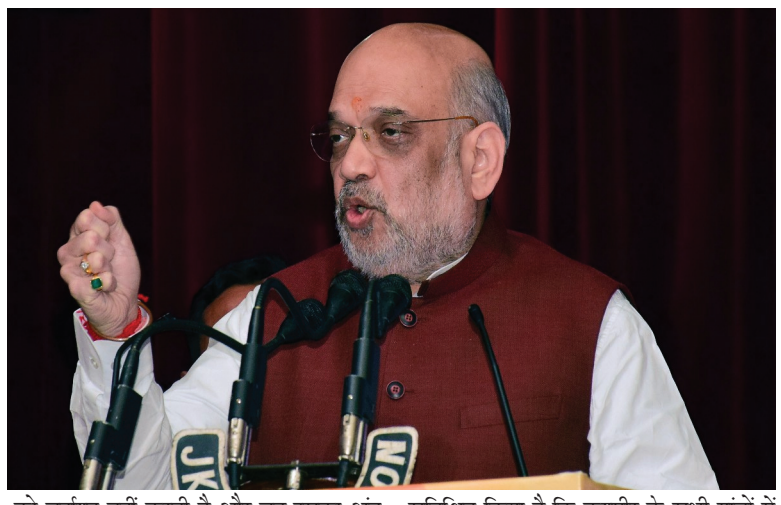

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह की बातचीत से इनकार करते हुए बुधवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जम्मू कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करेगी और इसे देश का सबसे शांतिपूर्ण स्थान बनाएगी। शाह ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए सवाल किया कि क्या आतंकवाद ने कभी किसी को फायदा पहुंचाया है और 1990 के बाद से जम्मू कश्मीर में आतंकवाद ने 42,000 लोगों की जान ली है।

उन्होंने जम्मू कश्मीर में कथित रूप से विकास नहीं होने के लिए अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस), मुफ्ती (पीडीपी) और नेहरू-गांधी (कांग्रेस) परिवारों को जिम्मेदार ठहराया क्योंकि 1947 में देश की आजादी के बाद से इन तीनों दलों ने ही ज्यादातर समय तत्कालीन राज्य में शासन किया था। गृह मंत्री ने कहा, 'कुछ लोग कहते हैं कि हमें पाकिस्तान से बात करनी चाहिए। हमें पाकिस्तान से बात क्यों करनी चाहिए? हम कोई बातचीत नहीं करेंगे। हम बारामूला के लोगों से बात करेंगे, हम कश्मीर के लोगों से बात करेंगे।'

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करती है और वह इसका अंत और सफाया करना चाहती है। शाह ने कहा,'हम जम्मू कश्मीर को देश की सबसे शांतिपूर्ण जगह बनाना चाहते हैं।' गृह मंत्री ने कहा कि कुछ लोग अक्सर पाकिस्तान के बारे में बात करते हैं लेकिन वह जानना चाहते हैं कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कितने गांवों में बिजली कनेक्शन हैं।

उन्होंने कहा, 'हमने पिछले तीन वर्षों में सुनिश्चित किया है कि कश्मीर के सभी गांवों में बिजली कनेक्शन हों।' तीन राजनीतिक परिवारों का नाम लेकर उन पर बरसते हुए गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि उनका शासनकाल कुशासन व भ्रष्टाचार से भरा हुआ था और उन्होंने विकास नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया, 'मुफ्ती एवं कंपनी, अब्दुल्ला एवं बेटों और कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर के लोगों के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया।

सांसद पर टिप्पणी, राष्ट्रीय महिला आयोग ने मंत्री से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने छत्तीसगढ़ में भाजपा की एक महिला सांसद के बारे में कथित 'अनुचित' टिप्पणी करने को लेकर राज्य के गृह मंत्री से स्पष्टीकरण मांगा है तथा उनसे टिप्पणी के लिए माफी मांगने कहा है। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने राज्य के सड़कों की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया था और वीडियो बनाया था। इसके बाद राज्य के गृह और लोक निर्माण विभाग के मंत्री ताम्रध्वज साहू ने पिछले सप्ताह कथित तौर पर पांडेय के 'रूप' को लेकर टिप्पणी की थी।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने सोमवार रात अपने ट्वीट में कहा, ''आयोग ने मामले का संज्ञान लिया है। अध्यक्ष रेखा शर्मा ने छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री को अनुचित टिप्पणी के लिए लिखित स्पष्टीकरण देने के लिए लिखा है। आयोग ने उनसे इन टिप्पणियों के लिए माफी मांगने भी कहा है।'' पिछले महीने छत्तीसगढ़ भाजपा के ट्विटर हैंडल ने पांडेय का एक वीडियो साझा किया था जिसमें वह अकलतारा विधानसभा क्षेत्र में एक सड़क पर गड्ढे दिखाते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और लोक निर्माण विभाग के मंत्री साहू की इसके लिए आलोचना की थी।

बाद में 30 सितंबर को साहू से बिलासपुर में जब संवाददाताओं ने राज्य में सड़कों की स्थिति को लेकर सवाल किया तब उन्होंने कहा, '' यह रोड खराब है कहकर सरोज पांडेय ने विगत दिनों एक गड्ढे में रोड में 'चार्मिंग फेस' डलवाई थी,।'' साहू ने कहा था ''निर्माण के लिए यदि कोई सड़क खोदी जाती है तब उसमें गड्ढा होना स्वाभाविक है। सड़कों का निर्माण रातों-रात नहीं हो सकता। जिस तरह से गड्ढों के साथ सड़क पर खड़े होकर तस्वीरें ली गई थी, उसी तरह चिकनी सड़कों पर भी तस्वीरें खिंचवाना था। इससे लोगों को ज्यादा अच्छा लगेगा।''

चीनी बॉर्डर के पास राजनाथ सिंह ने विजयादशमी पर जवानों के साथ की 'शस्त्र पूजा'

कहा- हमारा देश सुरक्षित हाथों में है

उराखंड। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर चमोली के औली सैन्य स्टेशन में 'शास्त्र पूजा' की। इस दौरान आर्मी के जावानों के बीच भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड के चमोली के औली सैन्य स्टेशन में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की उपस्थिति में हथियारों के साथ अनुष्ठान किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विजयादशमी पर उत्तराखंड के चमोली में औली सैन्य स्टेशन में सेना के जवानों के साथ बातचीत भी की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां 'पूजा' या हथियारों की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि हमारा देश हमारे सशस्त्र बलों के हाथों में सुरक्षित है। हमारे सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के जवान हमारे देश का गौरव हैं। समाचार एजेंसी द्वारा ट्वीट किए गए एक वीडियो में राजनाथ सिंह को मंत्रों के जाप के बीच सशस्त्र बलों की उपस्थिति में दृश्यों का प्रदर्शन करते हुए दिखाया गया है। एक अन्य क्लिप में सैनिकों को देशभक्ति के गीत गाते हुए दिखाया गया है।

हमारा देश सुरक्षित हाथों में हैं, राजनाथ ने कहा

इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा हमें विश्वास है कि हमारा देश हमारे सशस्त्र बलों के हाथों में सुरक्षित है। हमारे सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के जवान हमारे देश का गौरव हैं। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां हथियारों की पूजा की जाती है। औली सैन्य स्टेशन उत्तराखंड में मौजूद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि विजयदशमी पर हमारे देश में शास्त्र पूजा की जाती हैं, मैं हमारे देश के जवानों के बीच आकर बहुत भाग्यशाली मेहसूस कर रहा हूं।

आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मनोज पांडे द्वारा 'शास्त्र पूजा' के बाद उत्तराखंड में सेना के जवानों के साथ दशहरा मनाते हुए औली मिलिट्री स्टेशन देशभक्ति गीत 'ऐ वतन तेरे लिए' की आवाज से गूंज उठा।

इस साल जल्दी आ सकता है राजस्थान का बजट: गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि राजस्थान का इस साल का बजट जल्दी आ सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहेगी की बजट में कोई देरी ना हो क्योंकि पार्टियों को बजट के बाद चुनाव में जाना है। गहलोत ने सचिवालय में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''फरवरी-मार्च में बजट आते भी हैं, कोई 15 दिन पहले आ जाए, एक महीना पहले आ जाए, तो अलग बात है, पर वो मैं समझता हूं कि इसमें कोई देरी नहीं होगी क्योंकि बाद में सबको चुनाव में जाना पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''चाहे पक्ष हो या विपक्ष हो, सब चाहते हैं कि बजट जो है, टाइम(समय) पर आए, टाइम पर पूरा हो, तो हम भी चाहते हैं कि विपक्ष को भी मौका मिले हमारे खिलाफ बात करने का। लोकतंत्र है, अपनी बात वो कहें, हम अपनी बात कहेंगे, हमारी उपलब्धियां बताएंगे, जनता फैसला करेगी कि क्या करना है।'' गहलोत ने कहा कि वह जो अगला बजट पेश करेंगे वह युवाओं के लिए होगा। उन्होंने कहा, ''आज हमने निर्देश दिए हैं कि युवाओं के लिए हमारे पास जो भी योजनाएं हैं, वो लागू जल्दी हों।'' उन्होंने कहा कि भाजपा की सोच नकारात्मक है, वह योजनाएं बंद कर देती है, इस कारण योजनाएं रुक जाती हैं। उन्होंने कहा, ''हम उनका (भाजपा) का काम कोई बंद नहीं करते हैं, पूर्वी राजस्थान नगर परियोजना (ईआरसीपी) को बंद नहीं कर रहे, आगे बढ़ा रहे हैं।

पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी, टिफिन बम, दो एके-56 राइफल और दो किलो हेरोइन सहित संचालक गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)।

पंजाब पुलिस ने त्यौहारों के सीजन से पहले नार्को-आतंकवाद माड्यूल का पर्दाफाश किया है। टिफिन बम, दो एके-56 राइफल और दो किलो हेरोइन सहित संचालक को गिरफ्तार किया गया है। एसआई आधारित आतंकवादी माड्यूल का पर्दाफाश करना एक बड़ी सफलता है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति कनाडा आधारित लखबीर लंडा, पाकिस्तान आधारित हरविंदर रिन्दा और इटली आधारित हरप्रीत हैपी का नजदीकी साथी है। पुलिस ने लंडा और रिन्दा गैंग के पांच अन्य सदस्यों की पहचान की है। उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है।

डीजीपी यादव ने बताया कि यह माड्यूल कनाडा, पाकिस्तान और इटली आधारित गैंग की तरफ से सांझा तौर पर चलाया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए शख्स की पहचान राजोके निवासी योगराज सिंह उर्फ योग के तौर पर हुई है। इसके अलावा पुलिस ने माड्यूल के पांच अन्य संचालकों की भी शिनाख्त की है, जो पंजाब और आसपास के राज्यों में गैर-कानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए माड्यूल के साथ जुड़े हुए हैं। पुलिस ने मुलजिम के पास से एक आरडीएक्स लोड टिफिन बॉक्स, जिसको इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) या टिफिन बम बनाया गया था, दो आधुनिक एके-56 असाल्ट राइफल समेत दो मैगजीन और 30 जिंदा कारतूस, एक ।30 बोर का पिस्तौल समेत 6 जिंदा कारतूस और 2 किलो हेरोइन बरामद किया है। डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार मुलजिम योगराज इस माड्यूल का मुख्य संचालक है और वह राज्य पुलिस और केंद्रीय इनफोरसमैंट एजेंसियों को सितम्बर 2019 में तरन तारन में पांच एके-47 असाल्ट राइफलें ज़ब्त करने के मामले समेत कम से कम पांच आपराधिक मामलों में वांछित था।

राकेश टिकैत ने ट्रैक्टर ट्रॉली के इस्तेमाल पर रोक को किसानों के आंदोलन को कमजोर करने की रणनीति बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन नेता राकेश टिकैत ने यात्रा के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली के उपयोग पर पाबंदी लगाने संबंधी उत्तर प्रदेश सरकार के कदम पर सवाल उठाते हुए मंगलवार को कहा कि इस संबंध में सरकार को जल्द ही पत्र लिखा जाएगा क्योंकि यह (ट्रैक्टर ट्रॉली) किसानों के लिए परिवहन का मुख्य साधन है। किसान नेता राकेश टिकैत ने आज सरकार के उस बयान का विरोध किया, जिसमें यात्रा के लिए ट्रैक्टर-ट्राली का उपयोग नहीं करने को कहा गया है।

जनपद लखीमपुर में पिछले साल किसान आंदोलन के दौरान मरे चार किसानों की बरसी से लौट रहे भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि किसान यूनियन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ट्रैक्टर-ट्राली पर यात्रा करने से रोकने का पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि यह सरकार की किसान विरोधी मानसिकता का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि सरकार किसान आंदोलन को कुचलना चाहती है और इस आदेश के पीछे सरकार की सोची-समझी साजिश है कि किसान आंदोलनों में ट्रैक्टर ना चल सके। गौरतलब है कि कानपुर में रविवार को हुई एक बड़ी सड़क दुर्घटना के बाद शासन ने ट्रैक्टर-ट्रॉली से यात्रा बंद करने को कहा है। कानपुर जिले में ट्रैक्टर ट्रॉली के पलट जाने से 26 लोगों की मौत और कुछ अन्य गंभीर रूप से घायल हो जाने के बाद दो अक्टूबर को जारी एक सरकारी बयान में कहा गया था कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों से यात्रा के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन करने की अपील की है।

उन्होंने कहा था कि ट्रैक्टर ट्रॉली तथा ट्रक से यात्रा असुरक्षित है इसलिए यात्रा के लिए किसी भी दशा में ट्रैक्टर-ट्रॉली या ट्रक का उपयोग न किया जाए। सरकार के इस बयान पर विरोध जताते हुए किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि ट्रेन अथवा अन्य वाहनों की दुर्घटना होने के बाद क्या वे बंद की गई? जो सरकार ट्रैक्टर पर रोक लगाना चाहती है। किसान नेता ने दावा किया, ''ट्रैक्टर पहले की तरह सड़कों पर चलेंगे, इसका विरोध करने के साथ हम सरकार को पत्र भी लिखेंगे। सरकार किसानों को बर्बाद करने पर आमादा है।'' टिकैत ने कहा कि सरकार को पता है कि किसान के आने जाने का सबसे बड़ा साधन ट्रैक्टर ही है। इसके पीछे सरकार की सोची-समझी साजिश है कि किसान आंदोलनों में ट्रैक्टर न चल सके।

जयराम रमेश बोले- भाजपा और टीआरएस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं

हैदराबाद। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और केंद्र में सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, एक दिल्ली में सुल्तान जबकि दूसरा हैदराबाद में निजाम है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश ने यहां पत्रकारों से कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के प्रस्तावित राष्ट्रीय संगठन भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना) बनने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, ''यह (राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा) न केवल भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लिए, बल्कि टीआरएस के लिए भी एक संदेश है, जिसका चेहरा भाजपा जैसा ही है। भाजपा और टीआरएस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। आपके पास अगर दिल्ली में सुल्तान है, तो हैदराबाद में निजाम है।''

रमेश ने राव पर निशाना साधते हुए कहा कि सुल्तान और निजाम में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि इसलिए, तेलंगाना में टीआरएस के लिए संदेश है कि यह बीआरएस का समय नहीं, बल्कि वीआरएस लेने का है। उन्होंने कहा कि तीन चीजें हैं जिनसे आज पूरे भारत में लोग चिंतित हैं, महंगाई, बेरोजगारी, जीएसटी...., एक या दो बड़ी कंपनियों का एकाधिकार और बढ़ती आर्थिक असमानता जैसे मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी चिंता सामाजिक ध्रुवीकरण है क्योंकि समाज को कथित तौर पर धर्म, जाति, भाषा, भोजन और पोशाक के आधार पर विभाजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीसरी चिंता केंद्रीकरण को लेकर राजनीतिक है। रमेश ने कहा कि चल रही भारत जोड़ो यात्रा मन की बात यात्रा नहीं है, जिसमें लंबे भाषण दिए जाते हैं, बल्कि यह एक ''सुनने वाली यात्रा'' है जहां लोगों की आवाज सुनी जाती है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में दावा किया कि कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जो अपने अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए चुनाव कराती है।

उन्होंने सवाल किया, ''क्या टीआरएस में चुनाव होंगे? क्या भाजपा में चुनाव होंगे?'' रमेश ने कहा कि चल रही 'भारत जोड़ो यात्रा' को दशहरा के कारण दो दिनों (4 और 5 अक्टूबर) के लिए रोक दिया जाएगा और यह छह अक्टूबर से कर्नाटक के मांड्या से फिर से शुरू होगी और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के भी इसमें भाग लेने की उम्मीद है। यात्रा 24 अक्टूबर को तेलंगाना में प्रवेश करेगी और राज्य में 360 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह भी संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थे। उन्होंने केंद्र में कांग्रेस या भाजपा के अलावा किसी अन्य पार्टी या मोर्चे के सरकार बनाने की संभावना से इनकार किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

9 मजदूरों को लेकर दूसरी मंजिल से गिरी लिफ्ट, एक की मौत,सभी की कमर टूटी अस्पताल में शिफ्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के भटार इलाके के गिरधर एस्टेट-2 में करघे की फैक्ट्री और लॉन्ड्री फैक्ट्री में काम करने वाले आठ मजदूर तीसरी

मंजिल से गिरे. तीसरी मंजिल से लिफ्ट में सवार मजदूर सुबह-सुबह लिफ्ट से नीचे उतर रहे थे. तभी जोरदार टक्कर से लिफ्ट की केबल नीचे गिर गई, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि सात मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया. जबकि खतोदरा मिल के पीछे गिरधर एस्टेट-2 में एक गंभीर हादसा सामने आया है. गिरधर एस्टेट-2 में एक करघे की फैक्ट्री और एक लॉन्ड्री फैक्ट्री के मजदूर तीसरी मंजिल से गिरे. तीसरी मंजिल पर एक लॉन्ड्री फैक्ट्री में काम करने वाले करीब आठ मजदूर तड़के लिफ्ट से नीचे उतर रहे थे. इसी बीच अचानक लिफ्ट की केबल टूट गई और पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लॉन्ड्री फैक्ट्री की लिफ्ट गिरने से आठ मजदूरों की मौत सूरत के भातर इलाके में शांतिनाथ लिफ्ट सीधे तीसरी मंजिल से टकराकर गिर गई, जिससे लिफ्ट में सवार आठ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए. लिफ्ट गिरने से आठ श्रमिकों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए।

जैसे ही आठ श्रमिकों से भरी लिफ्ट तीसरी मंजिल से नीचे गिर गई , लिफ्ट की उछाल और चीख-पुकार शुरू हो गई क्योंकि नीचे करघे की फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिक भागे। नीचे काम कर रहे एक चश्मदीद अगोरी ने कहा कि घटना सुबह करीब साढ़े आठ बजे से नौ बजे तक की है। वे ऊपर से लिफ्ट में आ रहे थे। अचानक लिफ्ट टूट गई। तीसरी मंजिल पर कपड़े धोने हैं। जिसमें आठ आदमी लिफ्ट में आ रहे थे। लिफ्ट के ऊपर से गिरने से हाथ-पैर टूट गए। चीख-पुकार मचने लगी। हम बाहर आए और उन सभी को बाहर निकाल लिया। दो लोगों ने उन्हें एक-एक करके उठाकर बाहर निकाला और फिर सिविल अस्पताल ले गए।

गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने सूरत पुलिस की शास्त्र पूजा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

असत्य पर सत्य की जीत, अधर्म पर धर्म की जीत, दशहरा पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है। दशहरे के शुभ दिन पर शास्त्र पूजन की परंपरा है। तब सूरत पुलिस ने पुलिस मुख्यालय में शस्त्र पूजन किया। जिसमें सूरत के पुलिस कमिश्नर के साथ गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी मौजूद रहे और शास्त्रों के अनुसार शस्त्र पूजन किया. हर्ष सांघवी ने देशवासियों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी बयान दिया कि गुजरात में कानून के दायरे में रहने वालों को ही फायदा होगा.

सूरत पुलिस द्वारा शास्त्रपूजा में मौजूद गुफाओं के राज्य मंत्री के साथ दशहरा उत्सव है । पूरे देश में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिरों सहित कई जगहों पर विभिन्न कार्यक्रम हुए।इसके अलावा दशहरे पर शास्त्र पूजन की परंपरा रही है। फिर सूरत स्थित पुलिस मुख्यालय में शस्त्र पूजन किया गया। जिसमें गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी विशेष रूप से मौजूद रहे। फिर हर्ष सांघवी और सूरत के पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर द्वारा शास्त्रों के अनुसार शास्त्रों की पूजा की गई। सूरत पुलिस के पास लोगों की रक्षा के लिए जितने भी हथियार हैं, वे सभी यहां पूजे जाते थे। जहां हर्ष सांघवी और सूरत के पुलिस कमिश्नर ने देशवासियों को दशहरे की बधाई दी.

मेरा मानना है कि गुजरात में कानून का पालन करने वालों को ही फायदा होगा.

गुजरात में कानून का पालन करने वालों को ही फायदा होगा : हर्ष संघवी

सूरत पुलिस की शास्त्र पूजा में शामिल होने के बाद हर्ष सांघवी ने बयान दिया कि गुजरात एक शांतिप्रिय राज्य है. देश में गुजरात राज्य को कानून-व्यवस्था की दृष्टि से देश का सबसे सुरक्षित राज्य माना जाता है। गुजरात में सभी समुदाय एक-दूसरे के समुदायों के त्योहारों को मनाने के लिए एकजुट होते हैं, लेकिन विशेष रूप से इस प्रकार के धार्मिक त्योहारों के दौरान, कुछ लोग एक-दूसरे के धार्मिक त्योहारों में बाधाएं पैदा करने की कोशिश करते हैं। लेकिन ज्यादातर गुजरात में हमने देखा है कि गणपति विसर्जन हो, नवरात्रि हो, ईद हो या ताजिया, सभी लोग मिलकर त्योहार मनाते हैं। गांव में हुई घटना में हमने जिस तरह का नजारा देखा, उसमें नवरात्रि का पर्व शांतिपूर्वक मनाया जा रहा है. मंदिर में गांव के तमाम श्रद्धालु गरबा खेल रहे हैं. ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई तब की गई है जब किसी समाज ने नहीं बल्कि उस गांव के ही असामाजिक गिरोह द्वारा शांति स्थापित करने का प्रयास किया गया था. मेरा मानना है कि गुजरात में कानून के दायरे में रहने वालों को ही फायदा होगा. असंवैधानिक गतिविधियों को करने वालों को हम नहीं बख्शेंगे

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि सलाया नशीली दवा की घटना के बाद इमारत पर बुलडोजर के पलटने की घटना के बाद लाखों लोग द्वारका में पूजा करने आते हैं. कृष्ण भक्ति कई परिवारों की मनोकामना भी पूरी करती है। बेट द्वारका समुद्री सीमाओं से जुड़ा हुआ है। बत द्वारका में जिस तरह की अवैध जबरदस्ती की गई, वह सरकारी जगह है। गौचर या सरकारी परिसर में अप्रतिबंधित गतिविधि के लिए कभी भी दबाव नहीं डाला जाएगा। हमारे राज्य में किसी भी तरह से पक्के मकान, धार्मिक स्थल बनाने और उनके माध्यम से अवैध गतिविधियों को करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सालाया के एक घर में ड्रग रैकेट पकड़ा गया। ऐसे घरों पर बुलडोजर चलाना जरूरी है।

हर्ष सांघवी ने रावण दहन में की भगवान राम से प्रार्थना, कहा- गुजरात पुलिस को नशे के खिलाफ हिम्मत और ताकत मिलनी चाहिए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के भाटर इलाके में श्रीराम चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 35 फीट के रावण दहन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसमें गुजरात राज्य के गृह राज्य मंत्री विशेष रूप से मौजूद थे। हर्ष सांघवी की मौजूदगी में रामलीला खेलकर रावण का अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में लोग रावण दहन देखने के लिए उमड़ पड़े। इस कार्यक्रम में हर्ष सांघवी ने बयान दिया कि वह भगवान

श्रीराम से प्रार्थना करेंगे कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में गुजरात पुलिस को हिम्मत और ताकत दें.

सूरत के भाटर क्षेत्र के अम्बानगर स्थित सरकारी स्कूल के मैदान में सालों से रावण दहन का कार्यक्रम होता आ रहा है. श्रीराम मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा यहां उत्साहपूर्वक रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। कोरोना के दो साल में सरकार ने इतने बड़े कार्यक्रम करने की इजाजत नहीं दी. लेकिन इस साल सभी रियायतें दी गई हैं। तब श्रीराम मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 35 फीट उंचे रावण दहन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था।असत्य पर सत्य की जीत का जश्न मनाते हुए रावण दहन के कार्यक्रम में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री राम मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 20 से अधिक वर्षों से यहां रावण दहन का आयोजन किया जा रहा है। रामलीला पाडु के अंत में श्री राम द्वारा रावण का वध किया जाता है। तब इस वर्ष गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे।

दशहरे पर फाफड़ा-जलेबी खरीदने के लिए सुबह से लगी लंबी कतारें, 20 करोड़ से ज्यादा की फाफड़ा-जलेबी बिकने की संभावना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

हर शुभ अवसर और त्योहार पर तरह-तरह के व्यंजन बनाते हैं। इसी तरह दशहरे के दिन भी सुरतिलाल फाफड़ा और जलेबी का भोग लगाते हैं। सुबह चार बजे से ही दुकानों के बाहर सुरतियों की कतार लगी हुई है। इस वर्ष 5 लाख किलो से अधिक फाफड़ा-जलेबी की औसतन 400 रुपये प्रति वस्तु की बिक्री एक दिन में 20 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

दशहरा सुरती पर फाफड़ा-जलेबी परंपरा सुबह से ही फाफड़ा और जलेबी खरीदने के लिए कतार में लगी थी। दशहरे के दिन अलग-अलग इलाकों में फाफड़ा और जलेबी की फरसान की दुकानों के बाहर सालों से इसी तरह से सुरतियां लगी हुई हैं. देर रात तक फरसान की दुकानों पर फाफड़ा और जलेबी तैयार की जाती है. बड़ा और छोटा सभी दशहरा दिवस मनाएंगे।

सूरत में करीब 5,000 फाफड़ा-जलेबी की दुकानें इस साल फाफड़ा-जलेबी की कीमत में 10 से 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. शहर में करीब 5 हजार दुकानें हैं, जिनमें से औसतन 50-50 किलो फाफड़ा-जलेबी बिकेगी। शहर की 65 लाख की आबादी में दशहरे पर फाफड़ा-जलेबी खाने की परंपरा विशेष रूप से 20 लाख मूलसुरती-सौराष्ट्र निवासियों में देखने को मिलती है.